CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-318
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

गंभीरता का गुण धारण कर लो तो व्यर्थ टकराव से बच जायेंगे।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 22 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

यकीन करना मुश्किल...हे भगवान एक आदमी में पांच किडनी!

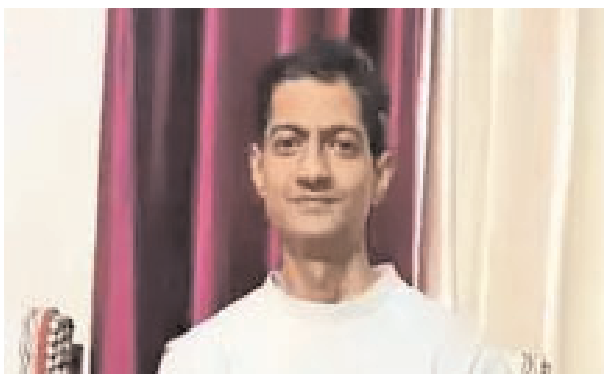

नई दिल्ली। हे भगवान, एक आदमी में पांच किडनी! यकीन करना मुश्किल होगा, लेकिन यह सच है। रक्षा मंत्रालय में काम करने वाले 47 साल के वैज्ञानिक देवेंद्र बरलेवार ने तीसरी बार किडनी ट्रांसप्लांट करवाया है। यह एक दुर्लभ और सफल ऑपरेशन था। अब उनके शरीर में पांच किडनी हैं, जिनमें से सिर्फ एक काम करती है। बरलेवार को तीसरी किडनी एक ब्रेन-डेड किसान के परिवार की मंजूरी के बाद मिली, जिन्होंने कई अंगदान करने का फैसला किया था। यह मामला दुर्लभ इसलिए है क्योंकि बरलेवार के पास अब पांच किडनी हैं जिनमें से तीन दान की हुई हैं, और सर्जरी में कई जटिलताएं भी थीं। तीसरा ट्रांसप्लांट दुर्लभ था क्योंकि जीवन में तीन बार मैचिंग डोनर मिलना लगभग नामुमकिन सा होता है। फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों के सामने नई किडनी के लिए जगह बनाने की भी चुनौती थी। डॉक्टरों ने बताया कि तीसरी किडनी को दाईं ओर, मौजूदा और पहले से ट्रांसप्लांट की गई किडनी के बीच रखा गया।

क्रोनिक किडनी डिजीज से जूझ रहे हैं देवेंद्र देवेंद्र बरलेवार लंबे समय से क्रोनिक किडनी डिजीज से जूझ रहे हैं और उन्हें लगातार डायलिसिस की जरूरत पड़ती थी। उनका ट्रांसप्लांट का सफर 2010 में शुरू हुआ। उनकी पहली किडनी उनकी मां ने दान की थी। यह लगभग एक साल तक चली, फिर दोबारा डायलिसिस की जरूरत पड़ने लगी। उनका दूसरा ट्रांसप्लांट 2012 में हुआ। यह किडनी एक रिश्तेदार ने दान की थी। 2022 तक, यह किडनी ठीक काम करती रही। फिर बरलेवार को कोविड महामारी हो गई। इसके कारण उन्हें फिर से डायलिसिस करवाना पड़ा। इस बार, कोई जीवित डोनर उपलब्ध नहीं था। वैज्ञानिक ने 2023 में एक मृत डोनर से अंग प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराया। 9 जनवरी को डॉ. अनिल शर्मा ने जटिल सर्जरी की। यह सर्जरी एक ब्रेन-डेड डोनर मिलने के बाद की गई जिसका ब्लड ग्रुप मेल खाता था। चार मौजूदा किडनी की उपस्थिति ने पांचवें अंग के स्थान को जटिल बना दिया। हालांकि पांचवीं किडनी के लिए डॉक्टरों ने जगह निकाल ली।

चिकित्सा विज्ञान में अनोखा उदाहरण 44 किलो वजन वाले बरलेवार ने कहा कि अब उन्हें डायलिसिस की जरूरत नहीं है, यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने किडनी डोनर की कमी को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी किस्मत अच्छी है जो तीसरी किडनी मिल गई, जबकि ज्यादातर लोगों के लिए एक किडनी पाना भी बहुत मुश्किल है। बरलेवार का मामला चिकित्सा विज्ञान में एक अनोखा उदाहरण है। यह दशार्ता है कि अंगदान कितना महत्वपूर्ण है। यह उन लोगों के लिए भी आशा की किरण है जो क्रोनिक किडनी डिजीज से पीड़ित हैं। यह चिकित्सा विज्ञान की प्रगति का भी प्रमाण है।

प्रतिभा का सम्मान: सीएम डॉ. मोहन यादव ने 12वीं में 75 फीसदी अंक लाने वाले 89710 स्टूडेंट्स को दिए लैपटॉप

एकाउंट में एमाउंट पहुंचते ही खिले स्टूडेंट्स के चेहरे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक लाने वाले 89,710 विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को प्रदेश के 89,710 मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खातों में लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की। कुल 224 करोड़ रुपए की राशि विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक से भेजी गई। यह कार्यक्रम प्रशासन अकादमी में आयोजित हुआ। सीएम ने नरसिंहपुर की गीता लोधी को पहला लैपटॉप दिया। इस दौरान स्टूडेंट्स से बातचीत में पढ़ाई, करियर और तकनीक पर चर्चा हुई। सीएम ने शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर भी जोर दिया। लैपटॉप पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल गए हैं। लैपटॉप योजना का लाभ 89,710 को मिला है। नरसिंहपुर की गीता लोधी, जिन्होंने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, को सीएम ने पहला लैपटॉप प्रदान किया। गीता लोधी, जो नरसिंहपुर के एक निजी स्कूल से हैं ने बताया कि यह उनके परिवार का पहला लैपटॉप है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में इंटरनेट बहुत जरूरी है। यह लैपटॉप पढ़ाई में बहुत हेल्प करेगा। उनके बड़े भाई, जो मैनिट से इंजीनियरिंग कर रहे हैं, उनके पास भी लैपटॉप नहीं है। इस पर सीएम ने मजाकिया लहजे में कहा कि दोनों भाई-बहन लैपटॉप शेयर कर लेना। लड़ना मत। सीएम मोहन यादव ने 'काग चेष्टा, वको ध्यानम्' श्लोक का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें विद्यार्थी की जगह नेता-अधिकारी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि काग चेष्टा सबके जीवन में जरूरी है। गीता से बात करते हुए सीएम ने कहा कि बहुत अच्छा बोल रही हो, नेता बनोगी? कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिभावान छात्रों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाया और उनसे चर्चा भी की। लैपटॉप लेने वाले छात्रों ने भी मुख्यमंत्री से बातचीत कर उनका आभार जताया।

उज्जवल भविष्य की संभावनाएं सशक्त होंगी मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस राशि का उपयोग लैपटॉप खरीदने के लिए करें और खरीदारी की रसीद अपने स्कूल में जमा करें। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार के संसाधनों पर समाज के हर तबके का अधिकार है और इसी सोच के साथ विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश के उज्जवल भविष्य की संभावनाएं सशक्त होंगी, क्योंकि तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास में सहायता मिल रही है। सीएम ने भारतीय गुरुकुल परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा में तकनीकी नवाचार के साथ-साथ देश की जरूरत और चुनौतियों का ध्यान रखते हुए विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सब उनकी सोच और दिशा-निर्देशों का परिणाम है। सीएम यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का समय इलेक्ट्रॉनिक्स, गूगल और नवाचार का है। उन्होंने इजराइल का उदाहरण देते हुए कहा कि इजराइल ने तकनीक के बल पर तमाम कठिनाइयों का समाधान निकाला है। वहां मोबाइल और टेलीपेजर जैसी तकनीक का उपयोग कर बम भी बनाए गए। हालांकि, मैं यह नहीं कहूंगा कि आप ऐसा करें।

मेधावी होने के साथ देशभक्त होना भी जरूरी मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया। उन्होंने स्टूडेंट्स से बात की और उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा। अपने उद्बोधन ने मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए जिस प्रकार माता-पिता हरसंभव कोशिश करते हैं, उसी प्रकार मध्यप्रदेश सरकार भी समाज के हर वर्ग के बच्चे को आगे बढ़ाने और उसकी सहायता करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि हम अपनी गौरवशाली विरासत के बलबूते पर भविष्य की मजबूत पौध तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि मेधावी होने के साथ देशभक्त होना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि बुद्धि और मेधा के साथ देश के स्वाभिमान की रक्षा करना, देशभक्ति की भावना होना बहुत जरूरी है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस सहित कई उदाहरण देते हुए कहा कि देश को स्वयं से पहले रखने की भावना हमारे देश को महान बनाती है।

लैपटॉप लेने में सरकारी स्कूल और बालिकाओं की संख्या ज्यादा स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इनमें बालिकाओं और शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या अधिक रही। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल को और बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा, जिससे वे भविष्य में सफल हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज 37 हजार बेटे और 53 हजार बेटियों को लैपटॉप की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां लीड कर रही हैं, यह समय का परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि लैपटॉप पाने वालों में 46 हजार बच्चे सरकारी स्कूल के हैं और इसके अलावा 44 हजार बच्चे मध्य प्रदेश सरकार से संबद्ध निजी स्कूलों के हैं।

इंदौर की चोखी ढाणी में बाफले में तेल की मिलावट

मेरियट का घी-पनीर अमानक, अरिहंत और नमन के नमकीन में भी गड़बड़ी

इंदौर। इंदौर में खंडवा रोड स्थित चोखी ढाणी के बाफले अमानक पाए गए हैं। इसमें तेल की मिलावट पाई गई है। वहीं होटल मेरियट के घी-पनीर में मिलावट साबित हुई है। इस बात का खुलासा खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट में हुआ है। इसी तरह अरिहंत और नमन के नमकीन और पान विलास मसाला को भी मिस ब्रांड माल बेचने के मामले में दोषी पाया गया है। खाद्य विभाग ने चार माह में 26 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की है। मिलावटखोरी सामने आने पर अपर कलेक्टर गौरव बैनल की कोर्ट ने जुर्माना लगाया है।

खाद्य विभाग की टीम ने खाद्य प्रतिष्ठानों में सैम्पलिंग की यह कार्रवाई 4 माह पहले की थी। चोखी ढाणी से दाल-बाफले सहित अन्य खाद्य पदार्थ के सैंपल लिए गए थे। ग्राहकों को यहां परोसे गए बाफले शुद्ध घी में बने बताए गए थे, लेकिन जांच रिपोर्ट में लूज घी और तेल की मिलावट मिली है। जबकि, घी में तेल मिलाना कानूनन अपराध है। खाद्य विभाग की रिपोर्ट में नमन सेव भंडार के वेफर्स, खट्टा मीठा मिक्सचर, साबुदाना, रतलामी सेव भी मिसब्रांडेड बताए गए हैं। अपर कलेक्टर गौरव बैनल ने इस पर 80 हजार का जुर्माना लगाया है। इसी प्रकार अरिहंत नमकीन की उज्जैनी सेव मिसब्रांडेड मिलने पर 80 हजार जुर्माना लगाया है। खाद्य विभाग की रिपोर्ट में गाडफे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित पान विलास प्रीमियम पान मसाला भी अमानक मिला है। अपर कलेक्टर ने इनके खिलाफ 2 लाख रुपए जुर्माने की कार्रवाई की है। इसके अलावा खाद्य विभाग ने होटल फेयरफील्ड बाय मेरियट से पनीर और दही के सैम्पल लिए थे। जांच में नमूने अवमानक मिलने पर 1.2 लाख का जुर्माना लगाया गया है। सभी पर अपर कलेक्टर कोर्ट ने 22 लाख रुपए की पैनल्टी लगाई है।

मैट्रिक परीक्षा में नकल नहीं करवाई तो दो छात्रों को मारी गोली, एक की मौत

रोहतास। बिहार के रोहतास में बदमाशों ने मैट्रिक की परीक्षा देकर घर लौट रहे ऑटो सवार दो परीक्षार्थियों को गोली मार दी। गोली लगने से घायल एक छात्र अमित कुमार की शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। इन दोनों का कसूर सिर्फ इतना था कि दोनों ने परीक्षा देते वक्त अपना पेपर दिखाकर नकल कराने से मना किया था। दोनों परीक्षार्थी डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मंजूबीघा गांव के निवासी हैं और दोनों एक साथ ही मैट्रिक की परीक्षा देकर गुरुवार शाम वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। इधर, एक छात्र की मौत के बाद शुक्रवार की सुबह परिजन आक्रोशित हो गए और राष्ट्रीय राजमार्ग 19 को जामकर प्रदर्शन किया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही डेहरी एएसपी कोटा किरण कुमार सहित आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। गुस्साए लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों को किसी तरह समझा बुझाकर सड़क से दूर हटाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगभग 1 घंटे तक की यातायात बाधित रहा। जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के काश पटेल बनाया एफबीआई का डायरेक्टर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के काश पटेल को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का निदेशक नियुक्त किया है। पटेल को ट्रंप का भरोसेमंद माना जाता है।अमेरिकी सीनेट ने भारतीय मूल के काश पटेल को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के नए निदेशक के रूप में मंजूरी दे दी। पटेल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने देश की शीर्ष कानून प्रवर्तन एजेंसी का नेतृत्व करने के लिए चुना है। उन्हें ट्रंप का कट्टर सहयोगी भी कहा जाता है। 44 साल के पटेल की नियुक्ति पर सीनेट में करीबी मतदान हुआ। उनके पक्ष में 51 मत जबकि विरोध में 49 मत पड़े। रिपब्लिकन पार्टी की सुसान कॉलिन्स और लिसा मर्कोव्स्की ने भी 47 डेमोक्रेट्स के साथ पटेल की नियुक्ति के खिलाफ वोट दिया। काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। 25 फरवरी, 1980 को न्यूयॉर्क में गुजराती माता-पिता के घर जन्मे काश पटेल पूर्वी अफ्रीका में पले-बढ़े.उन्होंने लॉन्ग आइलैंड के गार्डन सिटी हाई स्कूल से ग्रैजुएशन किया और फिर पेस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से जूरिस डॉक्टर (कानूनी डिग्री) हासिल की। पटेल ने अपने करियर की शुरुआत एक वकील के तौर पर की थी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मंच पर नहीं बैठेंगे पीएम मोदी

ग्रामीण थीम पर आधारित लाउंज में बैठंगे प्रधानमंत्री और सीएम

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी 2025 को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करेंगे। इस समिट में देश विदेश से दिग्गज निवेशक और मेहमान राजधानी भोपाल आएंगे। इस दौरान एमपी में रोजगार के अवसरों से लेकर नए व्यापार में निवेश तक कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। जीआईएस आयोजन की खासियत यह रहने वाली है कि पीएम मोदी मंच पर नहीं बैठेंगे। उनके लिए खास स्थान चुना गया है। बता दें, कि पीएम मोदी दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठेंगे। कार्यक्रम स्थल के पीछे पीएम और मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के लिए खास लाउंज बनाए गए हैं। ये लाउंज ग्रामीण थीम पर आधारित होंगे। समिट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रशासन ने जोर-शोर से तैयारियां की हैं। 24 फरवरी को सुबह 10 बजे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पीएम मोदी जीआईएस का शुभारंभ करेंगे। इस बार समिट में एक नया प्रयोग किया जा रहा है। सामान्यत मंच पर अतिथिगण बैठते हैं, लेकिन इस बार मंच खाली रहेगा। प्रधानमंत्री दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठेंगे। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव भी उनके साथ होंगे। सुरक्षा के लिहाज से भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा होगा। पहले घेरे में एसपीजी कमांडो तैनात रहेंगे। दूसरे घेरे की जिम्मेदारी आईपीएस अधिकारियों के कंधों पर होगी। तीसरे घेरे में पुलिस के जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। जीआईएस 2025 में निवेशकों को आकर्षित करने और मध्य प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।

समिट में डेढ़ घंटे रुकेंगे प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री समिट में डेढ़ घंटे रुकेंगे। इसके पहले 23 फरवरी को प्रधानमंत्री रात्रि विश्राम राजभवन में करेंगे। जीआईएस में उद्योगपति गौतम अडानीऔर कुमारमंगलम बिड़ला भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री राजभवन से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (जीआईएस स्थल) तक जाएंगे, इस दौरान वे पॉलिटेक्निक स्क्वायर और बोट क्लब से होकर गुजरेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर उन्हें मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति पर केंद्रित एक लघु फिल्म दिखाई जाएगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री, मध्यप्रदेश एक्सपीरियंस जोन का भी दौरा करेंगे, जहां मध्यप्रदेश की विरासत और विभिन्न उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वोल मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई बड़े उद्योगपति और निवेशकों ने अपनी सहमति दे दी है।

पीएम और सीएम के बगल में बैठेंगे उद्योगपति ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव साथ में बैठेंगे। दोनों के बगल में आमंत्रित निवेशक और उद्योगपति बैठेंगे। इसके अलावा अन्य मेहमानों और मंत्रियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इस हॉल की क्षमता 3000 लोगों के बैठने की है।

महाकाल और सांची भ्रमण की ज्यादा मंशा देश और विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों से उनके जीआईएस के बाद मध्यप्रदेश घूमने को लेकर च्वाइस मांगी गई थी। इसमें रातीबड़ टाइगर रिजर्व, भीमबेटका, उज्जैन स्थित महाकाल और सांची समेत अन्य विकल्प दिए गए थे। इसमें सबसे ज्यादा उज्जैन स्थित महाकाल और सांची स्थित स्तूप घूमने की इच्छा मेहमानों ने जताई है।

ई बसें चलाई जाएंगी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिसर में समिट तक के लिए वीवीआईपी मेहमानों के वाहनों के लिए ही पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

कमिश्नर ने दी पूरे थाने को सजा... टीआई से लेकर कॉन्स्टेबल तक को फिर से देनी होगी परीक्षा

इंदौर। इंदौर शहर के पंढरीनाथ थाने में तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यशैली और दक्षता की कड़ी परीक्षा ली जा रही है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के औचक निरीक्षण में पुलिसकर्मियों की कई लापरवाही सामने आई। इतना ही नहीं जब कमिश्नर ने माइक्रो बीट सिस्टम को लेकर सवाल पूछे तो अधिकतर पुलिसकर्मी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। पुलिस कमिश्नर के निरीक्षण के दौरान टीआई कपिल शर्मा कई धाराओं की सही से जानकारी नहीं दे पाए। थाने की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कमिश्नर ने टीआई सहित 15 पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए डीसीपी ऑफिस में अटैच किया है। अब इनकी परीक्षा भी हो रही है, जिसमें 50 प्रतिशत से कम अंक मिलने पर उन्हें थाने में वापस नहीं भेजा जाएगा।

ट्रेनिंग और परीक्षा का नया सिस्टम डीसीपी जोन-4 ऋषिकेश मीना के अनुसार, माइक्रो बीट सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करने में पुलिसकर्मियों की जानकारी अधूरी पाई गई। कुछ पुलिसकर्मियों को अपनी बीट और अधीनस्थ सिपाहियों की जानकारी तक नहीं थी। इसी वजह से अब इनकी स्पेशल ट्रेनिंग कराई जा रही है, जिसमें एफआईआर दर्ज करने से लेकर चालान काटने तक की प्रक्रिया दोबारा सिखाई जाएगी।

एसीपी ने तैयार किया विशेष प्रश्नपत्र इस परीक्षा को लेकर एसीपी अमित सिंह ने विशेष प्रश्नपत्र तैयार किया है, जिसमें कानून की धाराओं, अपराध नियंत्रण, माइक्रो बीट सिस्टम और व्यवहार कौशल से जुड़े सवाल होंगे। यदि कोई पुलिसकर्मी 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करता है, तो उसे दोबारा प्रशिक्षण दिया जाएगा और पास होने के बाद ही थाने में तैनात किया जाएगा।

कमिश्नर के निरीक्षण में सामने आई खामियां पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निरीक्षण के दौरान कई पुलिसकर्मी माइक्रो बीट सिस्टम की बारीकियों से अनजान पाए गए। कुछ को अपनी बीट के सिपाहियों की जानकारी तक नहीं थी। वहीं, कुछ कानून की धाराओं से अपरिचित थे। पुलिसकर्मियों की संवाद शैली और समस्या समाधान के तरीके भी संतोषजनक नहीं थे।

वकील संशोधन विधेयक में संशोधन के खिलाफ वकील रहे हड़ताल पर

इंदौर। इंदौर जिला कोर्ट बार एसोसिएशन के वकीलों ने शुक्रवार को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की। वकीलों की यह हड़ताल प्रस्तावित वकील संशोधन विधेयक 2025 में किए जाने वाले परिवर्तनों के विरोध में की गई। इंदौर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल बिरथरे ने बताया कि विधेयक में प्रस्तावित संशोधन वकीलों के हितों को नुकसान पहुंचाएंगे। इस विधेयक में अधिवक्ताओं को अदालतों के कामकाज का बहिष्कार करने या उससे दूर रहने से रोकने का प्रावधान किया गया है। इस हड़ताल का आयोजन जिला बार एसोसिएशन की समन्वय समिति ने किया, जो केंद्रीय कानून मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत इस विधेयक का विरोध कर रही है। वकीलों का कहना है कि इस विधेयक के माध्यम से उनके संवैधानिक अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। इस बिल के प्रस्तावित संशोधनों में वकीलों की स्वतंत्रता और संगठन के अधिकारों को कम करने की कोशिश की जा रही है। अधिवक्ताओं का मानना है कि इस एक्ट में किए जाने वाले संशोधन उनके अधिकारों को दबाने का एक प्रयास हैं। इस विरोध में न केवल इंदौर बल्कि पूरे भारत के वकील एकजुट हो गए हैं।

वकीलों की हड़ताल भी प्रतिबंधित हो जाएगी इस विधेयक में सबसे विवादास्पद धारा 35ए है, जिसके तहत यह कहा गया है कि कोई भी अधिवक्ता संघ या उसका कोई सदस्य, व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से, अदालत के कार्य का बहिष्कार करने या उससे दूर रहने का आह्वान नहीं कर सकता। साथ ही, अदालत के कामकाज में बाधा डालने या अदालत परिसर में कोई अवरोध उत्पन्न करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रावधान के तहत वकीलों की हड़ताल और बहिष्कार को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जा रहा है, जबकि यह पारंपरिक रूप से उनकी मांगों को उठाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है।

तेज होगा विरोध प्रदर्शन इंदौर के वकीलों ने इस विधेयक का कड़ा विरोध किया है। इस प्रस्तावित बिल के खिलाफ विरोध जताते हुए वकीलों ने कहा कि यह बार की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करता है। वकीलों का कहना है कि यदि केंद्र सरकार इस विधेयक को लेकर उनके संगठनों से संवाद नहीं करती है और उन्हें विश्वास में नहीं लेती है, तो यह आंदोलन और तेज हो सकता है।

डॉ. अरविंद घनघोरिया बने एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन

इंदौर। इंदौर के सबसे बड़े सरकारी एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन पद पर डॉ. अरविंद घनघोरिया की नियुक्ति हो गई है। आदेश आते ही उन्होंने ताबड़तोड़ पदभार भी ग्रहण कर लिया। वे पहले नीमच में थे और घोषणा के बाद उन्होंने नई जिम्मेदारी लेने में देर नहीं लगाई। दरअसल, इंदौर के इस कॉलेज के डीन पद का मामला कोर्ट तक भी पहुंचा था। इंदौर में पहले इस पद पर डॉ. संजय दीक्षित डीन थे। वे लंबे समय तक डीन रहे। वे नवंबर में सेवानिवृत्त हो चुके थे। डॉ. दीक्षित के बाद शासन ने डॉ. अशोक यादव को प्रभारी डीन बनाया था, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद डॉ. वीपी पांडे डीन बने। इसे लेकर चर्चा भी रही थी। डॉ. पांडे यादव से वरिष्ठ हैं। इस कारण कोर्ट ने उनके पक्ष में आदेश दिया था। कुछ दिनों बाद वे छुट्टी पर चले गए थे। गुरुवार रात शासन ने जैसे ही डीन पद के लिए डॉ. अरविंद घनघोरिया का नाम घोषित किया। उन्होंने दूसरे दिन शुक्रवार सुबह पदभार ग्रहण कर लिया। डॉ. घनघोरिया पहले भी इंदौर मेडिकल कॉलेज में लंबे समय तक रह चुके हैं। वे फिलहाल नीमच मेडिकल कॉलेज के डीन थे। सुबह उन्होंने पदभार ग्रहण किया तो मेडिकल कॉलेज का स्टॉफ भी उनसे मिलने पहुंचा। गुलदस्ता देकर उन्होंने नए डीन का स्वागत किया।

डॉक्टरों का आरोप- अमानक दवाओं से गई मरीजों की जान

इंदौर। इंदौर में सरकारी डॉक्टर्स ने बड़ा खुलासा किया है। इंदौर में आयोजित विरोध प्रदर्शन में कई संगठनों के डॉक्टर्स ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में अमानक स्तर की दवाएं भेजी जा रही हैं, जिससे कई मरीजों की जान चली गई। डॉक्टरों को जब शक हुआ तो उन्होंने इसकी शिकायत की और बाद में इस मामले की जांच भी हुई। जांच के बाद इस पूरे मामले को दबा दिया गया और आरोपियों को बचा लिया गया। इंदौर में एमटीए, जेडीए और मेडिकल ऑफिसर्स मेडिकल एजुकेशन ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रतीकात्मक रूप से दवाओं को जलाया। विरोध प्रदर्शन में पहुंचे डॉक्टरों ने कहा कि अमानक दवाओं के मामले में कई कंपनियों के नाम सामने आए, लेकिन इन कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज क्यों नहीं करवाई। डॉ. राहुल रोकड़े और डॉ. अशोक ठाकुर ने कहा कि मरीजों की मौत पर परिजन डॉक्टरों से मारपीट करते हैं। हम कब तक यह सब सहन करते रहेंगे? इतना बड़ा घोटाला हुआ और किसी पर भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सरकार न तो डॉक्टरों को सुरक्षा दे रही है और न ही व्यवस्था में सुधार कर रही है। यदि इसी तरह से चलता रहा तो डॉक्टरों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा।

अमानक दवाइयां असरहीन डॉ. राहुल रोकड़े के मुताबिक, कई अमानक दवाइयां असरहीन हैं, जबकि इन्हें जीवन रक्षक माना जाता है। अगर ये दवाइयां काम नहीं करेंगी, तो डॉक्टरों को मरीज की हालत और मौत का सही कारण समझने में मुश्किल होगी। पहले भी कुछ दवाइयों को डॉक्टरों ने चिन्हित कर रिपोर्ट दी थी, जिसके बाद मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इन्हें अमानक घोषित किया था। डॉक्टरों का उद्देश्य जनता को इस गंभीर समस्या से अवगत कराना है। इसी कारण प्रदर्शन के दौरान इन अमानक दवाइयों की सूची मीडिया को भी दी जाएगी। उनकी मांग है कि मध्य प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति लागू हो, ताकि मरीजों को सुरक्षित और असरदार दवाइयां ही मिलें और डॉक्टरों को भी भरोसा रहे कि वे प्रभावी इलाज कर रहे हैं।

सरकारी नौकरी नहीं करना चाहते डॉक्टर विरोध प्रदर्शन में आए डॉक्टरों ने कहा कि आज के युवा डॉक्टर सरकारी नौकरी नहीं करना चाहते। वे पढ़-लिखकर सीधे विदेश चले जाते हैं। देश की स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर होती जा रही हैं और सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। यदि यही हालात जारी रहे तो आने वाले समय में गरीब लोगों को इलाज मिलना भी मुश्किल हो जाएगा।

चोरी के बाद पाप धोने महाकुंभ चले गए थे चोर, पुलिस ने पकड़ा

इंदौर। महाकुंभ से स्नान कर लौटे दो चोर अब जेल की हवा खा रहे है। बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद सीधे महाकुंभ का रास्ता पकड़ा और चोरी का पाप धोने के लिए खूब डुबकी लगाई। वहां से वे लौट रहे थे तो पुलिस ने ट्रेन में उन्हें धरदबोचा।आरोपियों ने इंदौर में एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार उनके नाम अजय शुक्ला और संतोष कोरी है। दोनो के पास से चार लाख रुपये के चोरी के गहने और अन्य सामग्री जब्त हुई है। चोरी का अन्य सामान बरामद करना बाकी है।शातिर चोरों ने इंदौर में दो घरों में चोरियां की थी। इसके बाद उन्होंने इंदौर से ही प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ी और दस दिन वहां रहे। गंगा नदी में खूब डुबकी लगाई। खर्च चलाने के लिए वहां पर चोरी के कुछ गहने भी बेच डाले और चोरी के रुपये भी वहां उड़ाए। उधर इंदौर में पुलिस के घटना स्थल के आसपास के वीडियो फुटेज जांच करने के बाद यह पता लगा लिया कि दोनों ने चोरी की है और उनके लौटने का इंतजार हो रहा था।

पुलिस को जैसे ही इंदौर आने की लोकेशन मिली तो ट्रेन में ही उन्हें धरदबोचा। बदमाशों ने इंदौर के अलावा प्रयागराज में भी चोरी की सामान बेचा। आरोपी अजय पर पूर्व में भी इंदौर के थानों में चोरी और डकैती के मामले दर्ज है,जबकि संतोष भी आदतन बदमाश है। उसे शराब की भी लत है और नशा करने के लिए चोरी करता था,जबकि अजय अपनी गर्लफ्रेंड पर पैसे लुटाता था। चोरी के पैसों से उसे घूमाने भी ले जाता था। पुलिस दोनो आरोपियों से अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ कर रही है।

फैक्ट्री मेंमशीन में फंसने से महिला मजदूर की मौत

इंदौर। इंदौर की परमल फैक्ट्री में काम के दौरान एक महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला सामान उठाने गई थी, तभी उसके सिर पर बंधा कपड़ा मशीन के पट्टे में फंस गया, जिससे वह उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना धार रोड स्थित गिरधारीलाल एंड संस फैक्ट्री की है, जहां परमल बनाने का काम होता है। मृतक महिला की पहचान राजकुमारी पति धन्ना के रूप में हुई है। फैक्ट्री मालिक के भाई संजय के अनुसार, राजकुमारी दैनिक वेतनभोगी मजदूर थी और घटना के वक्त मशीन के पास से सामान उठा रही थी। तभी उसका गमछा मशीन के पट्टे में फंस गया। तुरंत मशीन बंद कर दी गई, लेकिन तब तक वह बुरी तरह उलझ चुकी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में मर्ग कायम कर लिया है और आज फैक्ट्री जाकर सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगी। लापरवाही की आशंका को देखते हुए पुलिस ने कहा है कि विस्तृत जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। राजकुमारी मूल रूप से मेघनगर की रहने वाली थी और फैक्ट्री के पास किराये के मकान में रहती थी। हादसे के वक्त उसका पति भी वहीं था, जो उसी फैक्ट्री में काम करता है। दंपती के तीन बच्चे हैं।

बगैर अनुमति विज्ञापन करने पर फ्लिपकार्ट कंपनी पर 37 लाख की पेनल्टी

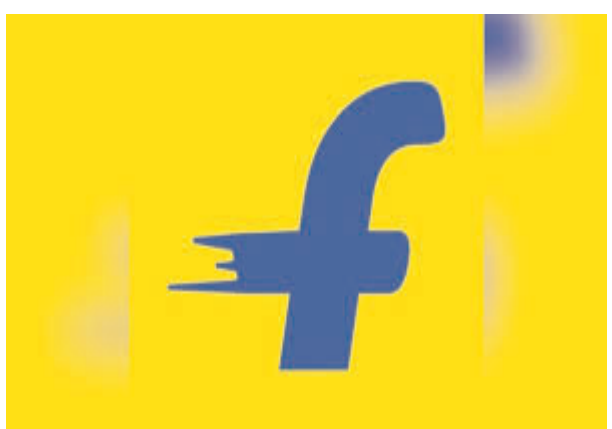

इंदौर। नगर निगम स्वामित्व के यूनीपोल पर बगैर अनुमति विज्ञापन करने पर फ्लिपकार्ट कंपनी पर 37 लाख की पेनल्टी लगाई गई है। नगर निगम ने मध्यप्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम का उल्लंघन करने पर यह कार्रवाई की है। प्रभारी अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि राजकुमार ब्रिज पर फ्लिपकार्ट ने यूनीपोल पर बगैर निगम अनुमति के विज्ञापन का फ्लेक्स बोर्ड लगा दिया। इसकी साइज 288 वर्गफीट है। इस पर नगर निगम ने नियमानुसार 3 साल यानी 1095 दिन की न्यूनतम समय के लिये 10 रु. प्रति वर्गफीट के हिसाब से 31.53 लाख और 18 प्रतिशत जीएसटी की राशि 5.68 लाख (कुल 37 लाख) रुपए का जुमार्ना लगाया। उधर, नगर निगम ने कान्ह नदी किनारे बन रही 3 अवैध दुकानों को जमींदोज कर दिया। शुक्रवार को चंद्रभागा हनुमान मंदिर के पास अवैध रूप से तीन दुकान बनाई जाने की सूचना मिली थी। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने तत्काल इस पर कार्रवाई करते हुए जमींदोज कर दिया। वर्मा ने बताया कि एनजीटी ने नदी किनारे निर्माण पर रोक लगा रखी है ।

डॉक्टर के घर से लाखों की चोरी, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के एक डॉक्टर के यहां लाखों की चोरी हो गई। तुकोगंज पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है। डॉक्टर ने अपने यहां काम करने वाली एक महिला कर्मचारी सहित 3 लोगों पर शंका जाहिर की है। तुकोगंज पुलिस के मुताबिक अहिल्या माता कॉलोनी निवासी डॉक्टर विजय शाह की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज किया है। 2 सितंबर 2024 को लॉकर में ज्वेलरी और रुपए रखे थे। गुरुवार को पुनः लॉकर देखा तो उसमें नकदी और ज्वेलरी नहीं मिली। इस दौरान एक निजी एजेंसी के माध्यम से राजू कीर नाम के एक व्यक्ति को बतौर नौकर रखा था। वह सितंबर से फरवरी के बीच काम पर रहा। इसके अलावा रोहित, प्रवीणा सुभाष और मुकेश को भी काम पर रखा था। पुलिस को इस मामले में विजय शाह ने अपने नौकरों पर शंका जाहिर की है। इसके बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। चुराए गए आभूषणों की कीमत काफी ज्यादा बताई गई है।

सीएम डॉ. यादव बोले- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगाए जाएं मेले

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल के बरखेड़ी कलां में आयोजित जैविक खेती कार्यशाला के दौरान किसानों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए और राज्य सरकार के प्रयासों को साझा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार इस साल को उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है और कृषि प्रधान प्रदेश में खेती को भी एक उद्योग के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, जैविक खेती के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है और उसे प्रोत्साहन देने के लिए हर संभव मदद करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि जैविक उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए मेलों का आयोजन किया जाना चाहिए, जैसे कि वन मेला, कार्तिक मेला और व्यापार मेला होते हैं, वैसे ही जैविक उत्पाद मेला भी आयोजित किया जाए, ताकि लोगों में जागरूकता फैलाई जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जैविक खेती के दौरान रसायनों का उपयोग खेती की व्यवस्था को बिगाड़ता है और इस से बचने की आवश्यकता है। उन्होंने जैविक और प्राकृतिक उत्पादों को भारतीय बाजार में बढ़ावा देने की बात की और कहा कि वर्तमान में राज्य के 33 जिलों में करीब एक लाख हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती की जा रही है। उनका लक्ष्य इसे पांच लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करना है। मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में नवीनीकरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि कृषि को उद्योग की तरह विकसित करने की दिशा में चिंतन किया जाए और जैविक खेती के लिए आदर्श गांव भी स्थापित किए जाएं। जैविक खेती के दौरान इस बात का ख्याल भी रखा जाए कि प्राकृतिक व्यवस्था पर कोई प्रभाव न पड़ें इसके अलावा, उन्होंने सरकार के नागपुर मॉडल पर काम करने की योजना का भी उल्लेख किया और यह सुनिश्चित करने की बात की कि इस दिशा में मध्य प्रदेश अपना खुद का मॉडल तैयार करेगा। सीएम ने अंत में यह भी कहा कि जैविक खेती के लिए भारत सरकार और राज्य सरकार मिलकर कई कार्यक्रम चला रही हैं, ताकि खेती को प्रोत्साहित किया जा सके और किसानों को नई तकनीक से लाभ हो सके।

खेती में केमिकल के उपयोग से बचना है मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि हमें खेती में केमिकल के उपयोग से बचना है। रसायन का अनावश्यक उपयोग जीवन शैली को बिगाड़ रहा है। उन्होंने जैविक और प्राकृतिक खेती में फर्क बताते हुए कहा कि जो अपने खाने के काम आए वह प्राकृतिक और जो विदेश के खाने के काम आए वह जैविक है। जैविक और प्राकृतिक खेती का बाजार हमारे प्रदेश में ही होना चाहिए। आने वाले समय में पांच लाख एकड़ में जैविक खेती का टारगेट रखना होगा। हर साल इसमें वृद्धि करना है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले को सोलर पम्प देंगे ताकि बिजली संकट से उनको राहत मिले। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि कृषि आधारित राज्य में कृषि के लिए पूरे साल का प्लान बनाएं। कृषि आधारित उद्योगों पर सरकार फोकस करेगी। सरकार इसके लिए प्रोत्साहन देने का भी काम करेगी। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गौशालाओं का संचालन कराने पर सरकार काम कर रही है।

जानलेवा बीमारियों को रोकने के लिए हो रहे प्रयास कृषि विकास और किसान कल्याण मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा कि बढ़ती हुई बीमारी पर रोक लगाने के लिए यह कार्यक्रम हो रहा है। जैविक खेती पर जोर देने के हो रही कार्यशाला में किसान और सभी जीवों को बीमारियों से कैसे बचाया जाए, इस पर चर्चा होगी। जानलेवा बीमारियों को रोकने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस पर जोर दे रहे हैं। खेती करने के मौजूदा दौर में रासायनिक उर्वरकों, खरपतवार नाशकों एवं कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग के कारण भूमि एवं वातावरण में हानिकारक तत्वों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है, जिसके कारण पर्यावरण, मिट्टी की उर्वरता तथा मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर चर्चा होगी कंसाना ने कहा कि कार्यशाला में जैविक कपास, फल एवं सब्जियां एवं अन्य फसलों के लिए जैविक खेती पद्धति एवं उत्पादों की मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रदेश के विकास के लिए रणनीति तैयार की जायेगी। कार्यशाला में केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, एफपीओ एवं जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कंसाना ने कहा कि प्रदेश के 33 जिलों में एक लाख एकड़ में जैविक खेती एमपी में की जा रही है। प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए अशासकीय संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है।

जैविक खेती पर आज भी होगी चर्चा कार्यशाला में सचिव किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग एम सेलवेंद्रन ने कहा कि शुक्रवार से दो दिनी कार्यशाला शुरू हुई है, जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। शनिवार को जैविक खेती को एमपी में कैसे बढ़ा सकते हैं, इस पर चर्चा करेंगे। किस जिले में किस प्रकार काम करना है, उसकी रूपरेखा शनिवार को तय हो जाएगी। इसके बाद इसी आधार पर काम शुरू होंगे।

10 साल से एक ही जगह पर जमे पुलिसकर्मियों पर गिरेगी गाज

डीजीपी कर रहे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी और जवान एक ही जिले में कई वर्षों से जमे हुए हैं। वे करीब 10 वर्षों से मलाईदार पदों में काबिज हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश पुलिस की साख पर बट्टा लग रहा है। कुछ दिनों पहले पदस्थ हुए पुलिस महानिदेशक डीजीपी कैलाश मकवाणा इस हरकत को बदलने में जुटे हैं। अब उन्होंने तय कर लिया है कि प्रदेश में एक ही जिले में 10 साल तक अलग-अलग पदों पर पोस्टिंग पूरी कर चुके अफसरों को हटाया जाए। इसी तारतम्य में पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों से डीएसपी, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर्स की जानकारी मंगाई है। जानकारी में एक ही जिले में अलग-अलग पदों पर पोस्टिंग का ब्योरा भी मंगाया गया है। पीएचक्यू द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार- डीजीपी के पास यह जानकारी सामने आई है कि कई पुलिस अधिकारी लंबे समय से एक ही जिले में पदस्थ हैं। ऐसे में कई बार अफसरों की निष्पक्ष कार्रवाई पर सवाल खड़े होते रहते हैं। इसी कारण के चलते पुलिस इकाइयों के अधिकारी अपने क्षेत्र और जिले में पदस्थ ऐसे

डीएसपी, निरीक्षक और उप निरीक्षक की सूची तैयार कराएंगे। यह जानकारी सात दिन में भेजने के लिए कहा गया है। पीएचक्यू ने डीजी लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, जोनल एडीजी और आईजी, पुलिस आयुक्त भोपाल, इंदौर के साथ ही डायरेक्टर जेएनपीए सागर, एआईजी प्रशासन, सेनानी आरएपीटीसी, सीनियर एसपी रेडियो, दूरसंचार संगठन, सभी रेल, पीटीएस, पीटीसी एसपी से जानकारी मांगी है।

इनसे भी मांगी गई जानकारी पीएचक्यू की अपराध अनुसंधान विंग, सामान्य विशेष शाखा, अजाक, महिला सुरक्षा शाखा, पीटीआरआई, एसटीएफ, एटीएस, एससीआरबी, साइबर सेल, नारकोटिक्स, रेडियो, शिकायत शाखा के जिम्मेदार अधिकारियों से भी इस संबंध में जानकारी देने के लिए कहा गया है।

ईमानदार छवि के माने जाते हैं मकवाणा बताते चलें कि वर्ष 1988 बैच के आईपीएस ऑफिसर कैलाश मकवाणा की गिनती बेहद इमानदार अफसरों में होती है। वे 1 दिसंबर 2024 को प्रदेश के नए पुलिस मुखिया बनाए गए थे। दिसंबर 2025 में रिटायर होने वाले मकवाणा मध्यप्रदेश पुलिस की छवि को बेदाग बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बायोफ्यूल स्कीम-2025 प्रमुखता से पेश होगी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में बायोफ्यूल स्कीम-2025 को प्रमुखता से पेश करने की बात कही है। यह योजना राज्य की आर्थिक समृद्धि, हरित ऊर्जा उत्पादन और रोजगार सृजन के लिए एक क्रांतिकारी पहल है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' (एलआईएफई) पहल के सिद्धांतों के अनुरूप है। एलआईएफई पहल टिकाऊ विकास, जिम्मेदारीपूर्ण खपत और उत्पादन पर जोर देती है। सीएम ने आगे कहा कि उनकी दृष्टि से प्रेरित होकर, मध्यप्रदेश सरकार ऐसी नीतियां बना रही है जो पर्यावरण की दृष्टि से दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ हैं और रोजगार सृजन को बढ़ावा देती हैं। यह योजना कृषि और जैविक कचरे के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करती है। इससे पर्यावरण के अनुकूल ईंधन का उत्पादन होगा। राज्य हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनेगा। नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राज्य कैबिनेट ने बायोफ्यूल स्कीम-2025 को मंजूरी दे दी है।

बायोफ्यूल स्कीम से यह मिलेगा फायदा इस योजना के तहत, राज्य सरकार बायोफ्यूल उत्पादन संयंत्रों की स्थापना के लिए भूमि आवंटन, निवेश

प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा विकास सहायता और कर लाभ प्रदान करेगी। इससे स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा होंगे। राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। बायोफ्यूल इकाइयों को कई प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। जैसे बुनियादी निवेश सहायता, बुनियादी ढांचा अनुदान और बिजली शुल्क में छूट। इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश को बायोफ्यूल उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बनाना है। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। पर्यावरण के अनुकूल उद्योगों के विकास में तेजी लाएगी।

जीआईएस में प्रमुख आकर्षण मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि बायोफ्यूल स्कीम जीआईएस में एक प्रमुख आकर्षण होगी। यह समिट भारत और विदेशों के निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं और नीति निमार्ताओं को एक साथ लाएगा। जीआईएस बायोफ्यूल और हरित ऊर्जा में निवेश आकर्षित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। इससे राज्य में सतत विकास, निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बायोफ्यूल स्कीम में मुख्य रूप से बायो-सीएनजी, बायोमास ब्रिकेट्स और पेलेट्स, और बायोडीजल शामिल हैं। यह बायोफ्यूल उत्पादन के सभी पहलुओं को कवर करता है। जिसमें फीडस्टॉक की खेती, उत्पादन तकनीक, वितरण और उपयोग शामिल हैं। यह योजना बायोफ्यूल निर्माण इकाइयों और जैव-ऊर्जा संयंत्रों को कई लाभ प्रदान करती है। साथ ही किसान सहकारी समितियों को कृषि उपकरणों के लिए सब्सिडी भी देती है। इसके अलावा, यह बायोमास और उर्वरकों की बिक्री सुनिश्चित करती है। एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के प्रावधान भी शामिल हैं। बायोफ्यूल उत्पादन संयंत्रों के लिए भूमि आवंटन को प्राथमिकता दी जाएगी। बायोमास उत्पादन के लिए सरकारी भूमि कलेक्टर दर के 10त्न पर वार्षिक शुल्क के रूप में प्रदान की जाएगी।

50 फीसदी तक प्रोत्साहन मुख्यमंत्री यादव ने यह भी घोषणा की कि बायोफ्यूल इकाइयों को इस योजना के तहत 200 करोड़ रुपये तक की बेसिक इंवेस्टमेंट प्रमोशन असिस्टेंस मिलेगी। इसके अलावा, बिजली, पानी, गैस पाइपलाइन, सड़क, जल निकासी, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली (ईटीपी, एसटीपी, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण), और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 50त्न प्रोत्साहन (अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक) प्रदान किया जाएगा। बिजली शुल्क और ऊर्जा विकास अधिभार पर 10 साल की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, औद्योगिक नीति और निवेश संवर्धन विभाग 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के लिए अनुकूलित पैकेज प्रदान करेगा। इस योजना में बौद्धिक संपदा अधिकारों और गुणवत्ता नियंत्रण सहायता के लिए भी समर्थन शामिल है।

काम का बोझ बढ़ने पर बैंक कर्मचारियों ने शुरू की हड़ताल की तैयारी

भोपाल। बैंकिंग उद्योग में खाली लाखों पदों को भरने और 5 दिवसीय बैंक सप्ताह व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर देशभर के बैंक कर्मचारी 24-25 मार्च को हड़ताल करेंगे। भोपाल सहित मध्य प्रदेश में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने हड़ताल की तैयारी शुरू कर दी है। पिछले सप्ताह यूनियन के घटक संगठनों ने प्रदर्शन कर हड़ताल का ऐलान कर दिया है। देशभर के 10 लाख बैंक कर्मचारी काम के बोझ से परेशान हैं। दरअसल बैंकिंग सेक्टर में लाखों पद खाली हैं। जिससे वर्तमान में सेवाएं दे रहे कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है, उधर सरकार भर्ती करने को तैयार नहीं है। जिससे कर्मचारी नाराज हैं और हड़ताल का ऐलान कर चुके हैं। यूनियन के वीके शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश की बैंकों में 50 हजार से अधिक कर्मचारी हैं, जो इस हड़ताल में शामिल होंगे। कर्मचारियों ने पेंशन से जुड़ी मांगें भी रखी हैं। इनमें पेंशन अपडेशन, पेंशन योजना में सुधार और डीए

से जुड़ी परिभाषित लाभ पेंशन में शामिल होने का विकल्प देना प्रमुख हैं। वे ग्रेच्युटी अधिनियम में संशोधन कर 25 लाख रुपए तक की सीमा बढ़ाने की भी मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों की मांग है कि सभी संवर्गों में रिक्त पदों पर पर्याप्त भर्तियां की जाएं।

पांच दिवसीय बैंक सप्ताह के मुद्दे पर हुई सहमति का अविलंब क्रियान्वयन करें।

नियमित कार्यों में आउटसोर्सिंग बंद की जाए। लंबित अवशिष्ट मुद्दों का निराकरण न होने से बैंक कर्मियों में आक्रोश है, इनका समाधान करें। दुर्व्यवहार और हमलों के खिलाफ बैंक कर्मियों को सुरक्षा दें। सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए। बैंकों में कामगार और अधिकारी निर्देशकों के पदों को शीघ्र भरा जाए।

आयकर से छूट के साथ 25 लाख रुपए तक की सीमा बढ़ाने के लिए ग्रेच्युटी अधिनियम में संशोधन करें। रियायती शर्तों पर दिए जाने वाले लाभों पर आयकर की वसूली बैंक कर्मियों से की जा रही है जो अनुचित है। इसका भार प्रबंधन उठाए।

एमपी में मुठभेड़ में ढेर चार महिला नक्सलियों पर था 62 लाख का इनाम

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को बालाघाट जिले के सूपखार जंगल में हुई मुठभेड़ में चार महिला नक्सलियों को ढेर किया गया, जिन पर 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मध्य प्रदेश पुलिस को इनका सफाया कर नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। 30 वर्षों के बाद एक ही मुठभेड़ में 4 खूंखार महिला नक्सलियों को ढेर किया गया। यह मुठभेड़ बुधवार को बालाघाट जिले के सूपखार जंगल में हुई थी। जहां माओवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में चार महिला माओवादी मारी गईं। मध्यप्रदेश पुलिस की आक्रामक रणनीति और हालिया मुठभेड़ों की सफलताओं से

उत्साहित होकर इस बार सुरक्षा बलों ने सूपखार जंगल में माओवादियों के खिलाफ एक सर्चिंग अभियान चलाया। जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने इलाके में माओवादियों की तलाश शुरू की, तभी माओवादियों ने हमला कर दिया। सुरक्षा बलों द्वारा सटीक जवाबी फायरिंग के चलते चार महिला नक्सली मारे गए। इनके पास हथियार और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई। बुधवार की मुठभेड़ खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह घटना 30 साल पहले 1996 में बालाघाट के धीरी-मुरुम जंगल में हुई एक बड़ी मुठभेड़ की याद दिलाती है। उसमें चार माओवादी मारे गए थे।

मारी गई चार महिला नक्सली हैं- आशा, निवासी- दक्षिण बस्तर जिला सुकमा, छत्तीसगढ़, धारित हथियार - इंसास राइफल। रंजीता उर्फ रमली अलमी, निवासी- ग्राम तुमरीवाल, ब्लॉक कुशम, तहसील मरदापाल, जिला कोंडागांव, छत्तीसगढ़, धारित हथियार - एसएलआर राइफल। सरिता उर्फ शीला उर्फ पदम, निवासी- ग्राम पेन्टा, थाना जगरकुगुंडा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़, धारित हथियार - 303 राइफल। लख्खे मरावी, निवासी- जिला सुकमा, छत्तीसगढ़, धारित हथियार - 315 राइफल।

एमपीटी के पलाश होटल पर 36 लाख का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया, नगर निगम करेगा कब्जा

भोपाल। राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट (जीआईएस 2025) की तैयारियां जोरो शोरों पर है। इसी के बीच बीएमसी 36 लाख रुपये बकाया संपत्ति कर के कारण 24 फरवरी को एमपीटी के सबसे बड़े रेजीडेंसी होटल पलाश रेजीडेंसी को अपने कब्जे में लेने जा रही है।इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीआईएस का उद्घाटन करने वाले हैं। बीएमसी के पीआरओ प्रेम शंकर शुक्ला ने पुष्टि की कि पलाश होटल को नोटिस भेजा गया है। उन्होंने कहा कि अगर निगम का बकाया नहीं चुकाया जाता है तो हम कार्रवाई करेंगे। पलाश होटल के खिलाफ यह कार्रवाई इसी गैर-अनुपालन के कारण की गई है। नोटिस में बीएमसी ने 24 फरवरी को सभी के लिए प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। राज्य की राजधानी में हर एक होटल का कमरा इस मेगा बिजनेस इवेंट के लिए महत्वपूर्ण है।

ईडी के बाद अब आईटी की टीम करेगी सौरभ शर्मा से जेल में पूछताछ

भोपाल। ईडी की स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की जमानत याचिका खारिज कर दी। शर्मा को मध्यप्रदेश पुलिस ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए की बरामदगी के मामले में शर्मा मुख्य आरोपी हैं। शर्मा और उनके दो साथी चेतन गौर और शरद जायसवाल फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। लोकायुक्त और आयकर विभाग की छापेमारी में शर्मा से जुड़ी बेनामी संपत्ति का पता चला था। अब खबर आ रही है कि सौरभ शर्मा से ईडी के बाद आयकर विभाग के अफसर भी केंद्रीय जेल में पूछताछ कर सकेंगे। भोपाल जिला कोर्ट ने शुक्रवार को इसकी अनुमति दे दी। आयकर विभाग के आवेदन पर गुरुवार को न्यायाधीश आरपी मिश्रा की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने अफसरों से पूछा था कि सौरभ से पूछताछ करने कौन-कौन जाएगा? इसके बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को कोर्ट ने बगैर लिस्ट के ही मंजूरी दे दी।

सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल 14 दिन की रिमांड पर दूसरी बार जेल भेजे गए हैं, जिसकी अवधि 3 मार्च को खत्म होने वाली है। बता दें कि मेंडोरी के जंगल में 19 और 20 दिसंबर की रात इनोवा कार में 52 किलो गोल्ड और 11 करोड़ रुपए कैश आयकर विभाग की टीम ने जब्त किए थे।

इनोवा कार के मालिक से हो चुकी पूछताछ आयकर विभाग के अफसरों ने इनोवा कार के मालिक चेतन सिंह गौर से पूछताछ की थी। उसने पूछताछ में बताया था कि कार उसके नाम से है, लेकिन उसका उपयोग सौरभ शर्मा करता है। इसके साथ ही चेतन ने कई अन्य जानकारियां भी दी हैं। इसके बाद से आयकर विभाग के अफसरों को सौरभ से पूछताछ का इंतजार है।

चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल से भी होगी पूछताछ आयकर विभाग के वकील इकराम खान के मुताबिक कोर्ट ने जेल मैन्युअल के आधार पर विभाग के अफसरों को पूछताछ की इजाजत दी है। इसके लिए कोई समय तय नहीं किया गया है। यह पूछताछ सौरभ शर्मा, चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल तीनों से ही की जा सकेगी। केंद्रीय जेल के अधीक्षक को इसके लिए कोर्ट ने आदेश दिया है कि पूछताछ के लिए इंतजाम करेंगे।

आयकर विभाग के वकील वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े थे

शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान आयकर विभाग की ओर से वकील हर्षवर्धन टोपरे ग्वालियर से वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े थे। वहीं भोपाल में भी वकील इकराम खान और जांच अधिकारी पायल प्रकाश उपस्थित हुए और कोर्ट को जानकारी दी। कोर्ट ने गुरुवार को पूछा था कि क्या आयकर विभाग ने कोई केस दर्ज किया है? इसके बाद शुक्रवार को कोर्ट में आयकर विभाग ने केस दर्ज किए जाने की जानकारी दी है। इसके बाद कोर्ट ने पूछताछ की परमिशन दे दी है।

संपादकीय

विश्व व्यापार को नुकसान पहुंचा सकती हैं ट्रंप की नीतियां

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान टैरिफ में तेजी से इजाफा करके व्यापार नीति को नया आकार देने का अपना इरादा छिपाया नहीं था। ट्रंप को लंबे अरसे से इस बात की चिंता रही है कि पारंपरिक व्यापार व्यवस्था में अमेरिका के साथ न्याय नहीं किया गया है और अब वे एक बार फिर ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां वे पूरी दुनिया पर अपनी यह धारणा थोप सकते हैं। अपने पिछले कार्यकाल में वे विश्व व्यापार संगठन के विवाद निस्तारण ढांचे को कमजोर करने और उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) पर नए सिरे से बातचीत करने के साथ-साथ अमेरिका को ट्रांस-पैसिफिक ट्रीटी जैसी अहम संधि से बाहर करके संतुष्ट थे। इन बातों ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था को बहुत क्षति पहुंचाई, लेकिन नए कार्यकाल में उनकी योजनाएं ज्यादा चिंता उत्पन्न करती हैं। ट्रंप ने गत सप्ताह कहा कि वे अमेरिका में आयात होने वाली वस्तुओं पर 'रेसिप्रोकल टैरिफ' यानी पारस्परिक शुल्क लगाने वाले हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि इसका क्या अर्थ हो सकता है लेकिन यह मौजूदा विश्व व्यापार को बुरी तरह नुकसान पहुंचा सकता है और भारत जैसे देशों के लिए इसका जवाब देना मुश्किल हो सकता है।

पारस्परिक टैरिफ से ट्रंप का तात्पर्य समझ पाना मुश्किल है। यह उनके व्यापार अधिकारियों पर निर्भर करता है कि वे इसे आजमाएं और इसकी व्याख्या करें। उनके चुने हुए वाणिज्य मंत्री (जिनके नाम पर अभी तक अमेरिकी सीनेट की मुहर नहीं लगी है) कह चुके हैं कि प्रमुख अमेरिकी व्यापार साझेदारों का अध्ययन एक अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। यह राष्ट्रपति के एक मेमो की प्रतिक्रिया में कहा गया जिसमें आदेश दिया गया है कि वे टैरिफ की ऐसी सूची पेश करें जो अन्य देशों द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर लगे टैरिफ से मेल खाती हो और जिसमें निर्यात वाले देशों में मूल्य वर्धित कर और उस आकलन पर टैरिफ के अलावा दूसरे गतिरोध शामिल हों। पहली कठिनाई यह है कि उसे कम समय में तैयार नहीं किया जा सकता है। स्पष्ट है कि ऐसा मैट्रिक्स नहीं बन सकता है जो यह गणना करता हो कि हर देश अमेरिका से आने वाले हर उत्पाद पर कितना टैरिफ लगाता है। इस बात की संभावना अधिक है कि यह अमेरिकी वस्तुओं पर प्रत्येक व्यापारिक भागीदार के औसत टैरिफ की मोटी गणना होगी जिसे टैरिफ के अलावा बाधाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ छद्म कीमतों को शामिल किया जाएगा।

ऐसे अधूरे और बेतुके अनुमान के बाद सवाल यह है कि अगर अमेरिका इसे लागू करने की ठान ले तो क्या होगा। वास्तव में खतरा इस बात का है कि ट्रंप के निर्देश सर्वाधिक तरजीही देश के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाले होंगे जबकि इस समय संपूर्ण वैश्विक व्यापार में यह धारणा लागू है। सर्वाधिक तरजीही देश के सिद्धांत के तहत विभिन्न देश कारोबारी साझेदारों में भेदभाव नहीं कर सकते। विश्व व्यापार संगठन की व्यवस्था के अंतर्गत पारस्परिक चर्चाओं के अनुसार द्विपक्षीय विशेषाधिकार अन्य सभी व्यापारिक भागीदारों को स्वयं ही मिल जाते हैं। इतना ही नहीं यह छोटे व्यापारिक देशों या मोलभाव की सीमित क्षमता वाले देशों को विश्व व्यापार और टैरिफ को कारगर तरीके से संभालने का मौका भी देता है। इससे व्यवस्था की जटिलता कम होती है और व्यापार बढ़ता है।तरजीही देश का सिद्धांत नहीं हुआ तो स्रोत की जांच के नियमों को माल की हर खेप पर लागू करना पड़ सकता है। अगर तरजीही देश के सिद्धांत को त्याग दिया जाता है, तो जैसा कि पारस्परिकता पर ट्रंप का ध्यान देना बताता है यह वैश्विक व्यापार को आमूलचूल बदल देगा। यह बदलाव बेहतरी नहीं लाएगा। ट्रंप पर भारत का रुख चुनिंदा आयात में गुंजाइश करने का रहा है और शायद यह इस नए विश्व में सही न बैठे। व्यापार अधिकारियों को ऐसे तरीकों पर गंभीरता से विचार करना होगा ताकि बहुपक्षीय व्यवस्था बची रहे और अमेरिका पर संयुक्त दबाव बनाया जा सके। शायद प्रशांत पार साझेदारी पर व्यापक और प्रगतिशील समझौते जैसे व्यापार गुट में शामिल होना इन सवालों का जवाब हो सकता है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गई हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

महाकाल का दिव्य श्रृंगार और विशिष्ट पूजा परंपरा

सनातन धर्म परम्परा में जिस प्रकार शक्ति की आराधना के लिए देवी मंदिरों में नवरात्र मनाए जाते हैं, उसी प्रकार उज्जैन के विश्वप्रसिद्ध श्रीमहाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में शिव नवरात्र मनाया जाता है। देश के बारह ज्योतिर्लिंगों में एकमात्र श्रीमहाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में ही शिव नवरात्र उत्सवपूर्वक मनाया जाता है। शिव नवरात्र का यह उत्सव फाल्गुन कृष्ण पंचमी से महाशिवरात्रि महापर्व के अगले दिन तक होता है।

ऐसी आस्था है कि माता पार्वती ने शिवजी को पाने के लिए शिव नवरात्र में ही भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ कठिन साधना व तपस्या की थी। अत: यहां भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने व उनकी कृपा पाने की कामना लेकर शिव नवरात्र के पूरे नौ दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना, उपवास व साधना करते हैं।

सामान्यत: महाशिवरात्रि को भगवान शिव के विवाह का पर्व माना जाता है। लोक परम्परा में जिस प्रकार विवाह के समय दूल्हे को कई दिन पूर्व से हल्दी लगाई जाती है, उसी प्रकार महाकाल मंदिर में भगवान महाकाल का शिवरात्रि के नौ दिन पूर्व से हल्दी, चंदन, केसर का उबटन लगाकर दूल्हा रूप में श्रृंगार किया जाता है। सामान्यत: भगवान शिव को पूजन में हल्दी चढ़ाना निषिद्ध माना गया है लेकिन शिव नवरात्रि के दौरान भगवान महाकाल को हल्दी, चंदन, केसर का उबटन लगाकर सुगंधित इत्र, औषधि व फलों के रस आदि से स्नान कराया जाता है और आकर्षक वस्त्र, आभूषण, मुकुट, छत्र, सोला, दुपट्टा व नौ विविध मुखारविन्दों से श्रृंगारित किया जाता है।

शिव नवरात्रि के पहले दिन पुजारियों द्वारा मंदिर के नैवेद्य कक्ष में भगवान चंद्रमौलेश्वर व कोटितीर्थ कुंड के समीप स्थित कोटेश्वर महादेव के साथ भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना कर शिव नवरात्रि के पूजन का संकल्प लिया जाता है। इसके बाद ब्राह्मणों द्वारा भगवान महाकाल का पंचामृत अभिषेक एवं एकादश-एकादशनी

रुद्रपाठ किया जाता है। दोपहर में भोग आरती के पश्चात अपराह्न भगवान महाकाल को हल्दी, चंदन व केसर का उबटन लगाकर दूल्हा बनाया जाता है। तदुपरांत संध्या पूजन के पश्चात जलाधारी पर मेखला एवं भगवान महाकाल को नवीन वस्त्र धारण करा कर श्रृंगार किया जाता है।

इसी प्रकार आगामी दिनों में भगवान महाकाल का क्रमश: शेषनाग श्रृंगार, घटाटोप मुखारविंद श्रृंगार, छबिना श्रृंगार, होलकर मुखारविंद श्रृंगार, मनमहेश स्वरूप श्रृंगार, उमा महेश स्वरूप श्रृंगार व शिव तांडव स्वरूप में श्रृंगार होता है। इन सभी आकर्षक व मनमोहक श्रृंगार में बाबा महाकाल के दर्शन कर श्रद्धालु स्वयं को धन्य अनुभव करते हैं। नवरात्र के दौरान प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक गर्भगृह में ब्राह्मणों द्वारा भगवान महाकाल का विशेष पूजन किया जाता है।

महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा महाकाल को जलधारा चढ़ाकर दिनभर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन व आरती का क्रम चलता है। अर्द्धरात्रि में भगवान महाकाल की महानिशाकाल की विशेष पूजा होती है। तत्पश्चात अगले दिन सुबह दूल्हा बने भगवान महाकाल को सप्तधान का मुखारविंद धारण करा कर उनके शीश पर सवा मन पुष्प व फल आदि से सेहरा सजाकर रजत आभूषण यथा मुकुट, छत्र, कानों में कुंडल, तिलक, त्रिपुंड, मुंड व रुद्राक्ष की मालाओं से श्रृंगारित किया जाता है। सेहरे में सजे बाबा महाकाल के इस दिव्य, अद्भुत, मनमोहक व आकर्षक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु आनंद से अभिभूत हो जयकारे लगाते हैं। समूचा मंदिर परिक्षेत्र बाबा के जयकारे से गूंज उठता है।

भगवान महाकाल के इस अलौकिक दर्शन का पुण्य लाभ श्रद्धालुओं को दोपहर 12 बजे तक प्राप्त होता है। प्रतिदिन तड़के 4 बजे होने वाली बाबा महाकाल की भस्मारती इस दिन सेहरा दर्शन सम्पन्न होने के बाद दोपहर को होती है। वर्ष में केवल एक दिन ही तड़के होने वाली भस्मारती दोपहर में होती है। निराकार बाबा महाकाल के भस्म रमैया स्वरूप के दर्शन कर दर्शनार्थी रोमांच से सराबोर हो जाते हैं।

शिव नवरात्रि के दौरान पूरे नौ दिन दूल्हा बने भगवान महाकाल हरिकथा का श्रवण करते हैं। जिस प्रकार देवर्षि नारदजी खड़े होकर करतल ध्वनि के साथ हरि नाम संकीर्तन करते हैं, उसी प्रकार मंदिर परिसर में पंडित कानड़कर परिवार के सदस्य द्वारा प्रतिदिन खड़े रह कर नारदीय संकीर्तन के साथ हरिकथा की जाती है। मंदिर में यह परंपरा विगत 113 वर्षों से भी अधिक समय से निर्वहन की जाती रही है। उत्सव के दौरान समूचे मंदिर परिक्षेत्र में आकर्षक विद्युत व पुष्प सज्जा की जाती है।

शिव नवरात्रि उत्सव के दौरान बाबा महाकाल के दिव्य व अलौकिक दर्शनों के बाद श्रद्धालु आत्मिक शांति व स्वर्गिक आनंद का अनुभव करते हैं।

उनका यहां से वापस लौटने का मन नहीं करता।

रोबोटिक्स और ड्रोन क्षेत्र में भारत की दमदार उड़ान

भारत के ड्रोन उद्योग की नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हालिया आलोचना भारत की तकनीकी क्षमताओं के बारे में उनकी गलतफहमी और चीन द्वारा पैदा खतरों के प्रति उपेक्षा भाव को उजागर करती है। भारतीय उद्योग को निशाना बनाते हुए उन्होंने एक तरह से चीनी ड्रोन कंपनी डीजीआई का प्रचार भी कर दिया। वास्तव में, आज भारत के बढ़ते ड्रोन और रोबोटिक्स क्षेत्रों पर सवाल उठाने की नहीं, समर्थन करने की जरूरत है। रोबोटिक्स, ड्रोन और इलेक्ट्रिक वाहनों में चीन का वर्चस्व वाकई प्रभावी लगता है, पर वह सरकारी नियंत्रण, जासूसी और शोषण की नींव पर खड़ा है। यूनिट्री और डीजेआई जैसी चीनी कंपनियां केवल इस उद्योग की अग्रणी नहीं हैं; वे विश्व पर नजर रखने के लिए अपनी सरकार की वर्चस्ववादी शक्ति का विस्तार भी हैं।

सरकारी सब्सिडी और बौद्धिक संपदा की चोरी ने चीनी कंपनियों की सफलता को कृत्रिम रूप से बढ़ा दिया है, मगर यह दिखावा अब खत्म हो रहा है। अब अमेरिका, यूरोप कदम उठा रहे हैं, अपने उद्योगों की रक्षा के लिए प्रतिबंध लगा रहे हैं, टैरिफ लागू कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में चीन का स्वर्ण युग खत्म हो रहा है। इससे भारत के लिए अवसर पैदा हो रहा है। देश एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। भारत की दृष्टि मौलिक रूप से अलग है। भारत गुप्त रणनीति या जासूसी पर नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा, नवाचार और ईमानदारी पर भरोसा करता है। आईटी सेवाओं और दवा क्षेत्र में भारत की कामयाबी इसकी क्षमता और विश्वसनीयता का प्रमाण है।

भारत के रोबोटिक्स उद्योग में जबरदस्त संभावनाएं हैं और एडवर्ब टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियां विनिर्माण और नवाचार में नए मानक स्थापित कर रही हैं। एडवर्ब ने अपने इकोसिस्टम का निर्माण स्वयं किया है। यह सालाना 1,00,000 रोबोट बनाने में सक्षम है। एडवर्ब ने दिखाया है कि भारतीय सरलता क्या हासिल कर सकती है। मैंने हाल ही में नोएडा में एडवर्ब के एक संयंत्र का दौरा किया और उनके द्वारा विकसित तकनीक और दृष्टिकोण देखकर दंग रह गया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक और क्षेत्र है, जहां भारतीय कंपनियां अभूतपूर्व प्रगति कर रही हैं। भारत फोर्ज रक्षा प्रौद्योगिकियों को फिर से परिभाषित करने के लिए एआई का लाभ उठा रहा है, जिसका उदाहरण, 150 मल्टी-पेलोड ड्रोन है, जिसे अद्वितीय कुशलता के साथ बहुत ऊंचाई पर उड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। पुणे में भारत फोर्ज के बाबा कल्याणी और उनकी टीम के साथ मुलाकात में मैंने जाना कि मानव रहित हवाई प्रणालियों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कैसे प्रयास हो रहे हैं। भारत का ड्रोन क्षेत्र भी उतनी ही आशा जगा रहा है। एंड्योरएयर सिस्टम और भारत फोर्ज जैसी कंपनियां ड्रोन द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है, इसकी नई रूपरेखा तय कर रही हैं। चिनूक से प्रेरित एंड्योरएयर के ड्रोन, जैसे सबल, ज्यादा ऊंचाई वाले अभियानों के लिए सशस्त्र बलों की पसंद बन गया है।

उनके अलख नैनो ड्रोन का इस्तेमाल आतंक विरोधी अभियानों में किया जाता है। एंड्योरएयर के नोएडा स्थित संयंत्र में मैंने किफायती और कारगर उन्नत इंजीनियरिंग के बारे में जाना। भारतीय ड्रोन कंपनियां रक्षा और वाणिज्यिक, दोनों जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्पाद विकसित कर रही हैं। इन्हें शेयर बाजार में भी समर्थन मिल रहा है।

भारत सरकार ने सब्सिडी और तकनीक चोरी पर जोर देने के बजाय पुख्ता नीति के बल पर ड्रोन क्रांति की नींव रखी है। 2021 ड्रोन नीति और 2023 रोबोटिक्स नीति ने स्पष्ट रोडमैप प्रदान किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय विज्ञान संस्थान में नवाचार केंद्र के जरिये भी रोबोटिक्स और ड्रोन में शोध को बढ़ावा दिया जा रहा है। हालांकि, अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत को इस दिशा में तेज तरक्की के लिए अनुसंधान और विकास निवेश को बढ़ाने, नियमों को सरल बनाने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की जरूरत है। सबसे बढ़कर, उसे ऐसे पूंजीपतियों की जरूरत है, जो यहां लंबे समय तक टिके रहने के लिए तैयार हों। यह ऐसा क्षेत्र है, जहां तत्काल फायदे के बजाय बड़े फायदे के बारे में सोचना चाहिए।

कटनी रेलवे स्टेशन में थमने का नाम नहीं ले रही श्रद्धालुओं की भीड़

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, महाकुंभ के समापन की ओर बढ़ने के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या में कमी नहीं आ रही है। कटनी रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ जुटी और प्लेटफार्म पर आने वाली ट्रेनों के डिब्बों में पैर रखना तक मुश्किल है। कटनी से गुजरने वाली कई कुंभ स्पेशल ट्रेन समेत प्रयागराज जाने वाली अन्य ट्रेनों में इतनी ज्यादा भीड़ रही कि चढ़ना भी मुश्किल हो रहा है। हालांकि, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसे के बाद कटनी रेलवे स्टेशन पर चौकसी बहुत बढ़ा दी गई है। जीआरपी व आरपीएफ जवान के साथ सिटी पुलिस बल भी लगातार कटनी रेलवे स्टेशन पर तैनात है। कटनी रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली ट्रेन के प्रत्येक कोच के बाहर जीआरपी व आरपीएफ और सीटी पुलिस के जवान तैनात हो सभी यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन में चढ़ने का प्रतिदिन प्रयास करते दिखाई दे रहे है। इस वजह से रेलवे स्टेशनों पर भीड़ के बावजूद अफरातफरी जैसी स्थिति नहीं हुई। कटनी रेलवे स्टेशन के प्लेट फॉर्म नंबर दो पर बैठे कई ऐसे यात्री है जो अपने छोटे छोटे बच्चों को लेकर ट्रेन में चढ़ जगह पाने के लिए दौड़ लगा रहे है। वही यह भी देखने को मिला कि कुछ यात्री तो ऐसे है जिनका एक्सप्रेस ट्रेन में रिजर्वेशन होने के वाबजूद वह ट्रेन में भीड़ अधिक होने के चलते ट्रेन के गेट नहीं खोले गए और वह ट्रेन में चढ़ नहीं पाए जिस वजह से उन्हें दूसरी ट्रेनों का इंतजार करना पड़ा।

कटनी में नेशनल हाइवे पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पुलिस ने बदला वाहनों का रूट

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले से होते हुए प्रयागराज जाने वाले नेशनल हाइवे में वाहनों को दबाव ओर सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए कटनी जिले की ट्रैफिक पुलिस बल ने तीन थाने की पुलिस बल के साथ डीपीएम स्कूल के सामने नेशनल हाइवे पर वाहनों के दबाव को कम करने के लिए नेशनल हाइवे पर बैरीकेट लगा वाहनों के रूट डायवर्ड किया गया।
कटनी जिले के ट्रैफिक थाना प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि नेशनल हाइवे पर प्रयागराज जाने वाले वाहनों को अत्यधिक संख्या होने के चलते आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है वही नेशनल हाइवे पर वाहनों के अधिक दबाव को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के आदेश पर डीपीएस स्कूल के सामने नेशन हाइवे पर बैरीकेट लगा वाहनों को रोका गया ओर प्रयागराज जाने वाले छोटे वाहनों को एक एक वाहन नेशनल हाइवे पर निकाला गया ओर बड़े वाहनों को दूसरे रस्ते से उमरिया शहडोल की तरफ रवाना किया है। जिससे नेशनल हाइवे होने वाहनों का दबाव भी कम होगा और बड़े वाहनों की वजह से होने वाले सड़क दुर्घटना भी नहीं होंगे।

विकलांग पेंशन धारियों के रेल्वे व बसपास बनेंगे

पंचायत के 64 हितग्राहियों से माँगे गए दस्तावेज

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा अंतर्गत शासन से दिव्यांग,विकलांग पेंशन प्रतिमाह प्राप्त कर रहे 64 विकलांग पेंशनधारियों से ग्राम पंचायत द्वारा रेल्वेपास,बसपास इत्यादि शासन की योजना का लाभ उठाने के लिए विभिन्न दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।
उक्ताशय की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के युवा सरपंच श्री अनीस खान ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश के दिव्यांगों के लिए शासन की विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है गत दिवस जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार तथा जनपद पंचायत लालबर्रा से प्राप्त 64 विकलांग हितग्राहियों की सूची प्राप्त हुई जिनकी यात्रा हेतु रेल्वे पास,बस पास इत्यादि ब्लाक की सभी ग्राम पंचायतों में बनाये जा रहे हैं। तथा आगामी दिनों में बालाघाट में जिला प्रशासन द्वारा होने वाले भव्य दिव्यांग शिविर मेला में लाभ दिलाये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं इस हेतु गत दिवस ग्राम पंचायत की बैठक में सभी वार्ड पंचों को विकलांगों की सूची प्रदान की गई जिससे कि वे अपने वार्डो के पेंशन प्राप्त कर रहे दिव्यांगों को सूचित कर योजना का लाभ दिला सकेंगे। ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा अंतर्गत दिव्यांग जो विकलांग पेंशन प्राप्त कर रहे हैं उनके लालबर्रा से मनीष कुशवाह आँचल मेश्राम,आलिया रंगरेज, अनिल देधमुख,बकरु,देवराम, अनिरुद्ध पंचेश्वर,भागचंद कावरे, चैतलाल बिसेन,भगवती पंचेश्वर, धर्मेंद्र डहरवाल,दिनेश नागेश्वर, दिसन्त पटले,गीता मरठे, फूलचंद पंचेश्वर,झमसिंह खिर्सागर,घासीराम कावरे, गौरव सोनेकर,हीरा देवसरे, हिरमोती,इक़रा अंजुम,होलु सोनी,इमरान खान,जुनैद कुरेशी, इसराइल खान,ज्योति उइके, कैलाश तुमन्ने,काजल जेवरानी, लिटेस रँगारे,केवल चावले, मनीराम पंचेश्वर,मन्नू बरले,मयंक दुबे,मेहरुन्निसा,दानिश कुरैशी, सादिक खान,नवीन कुमरे, निहारिका कुमरे,ओमकार बिसेन,राहुल,राजू पंचेश्वर,रमेश तुमन्ने,राकेश,रीना यादव,साकची रंगारे,सहजादी खान,संतोष मात्रे, यामिनी पंचेश्वर,विवेक ब्रम्हे, उमर शेख,ऊदल रंगारे,सरिता देशमुख,सायमा बेगम,सबा अंजुम.शहजादी अंसारी,शारदा मात्रे शबनम,अतीक शेख,शिखा प्रसाद,शिला रंगारे,शिखा खोबरागड़े,सिद्दीक खान,सुरेंद्र अवधिया,शोभा जेवरानी, सिद्दिक खान,सुजल कामडे, सुरभि गुप्ता शामिल है जिन्हें शासन की योजना अनुसार प्रतिमाह विकलांग पेंशन राशि प्राप्त हो रही है। सरपंच अनीस खान ने बैठक में सभी सदस्यों को बताया की जो पात्र हितग्राही इस सूची में नही है।

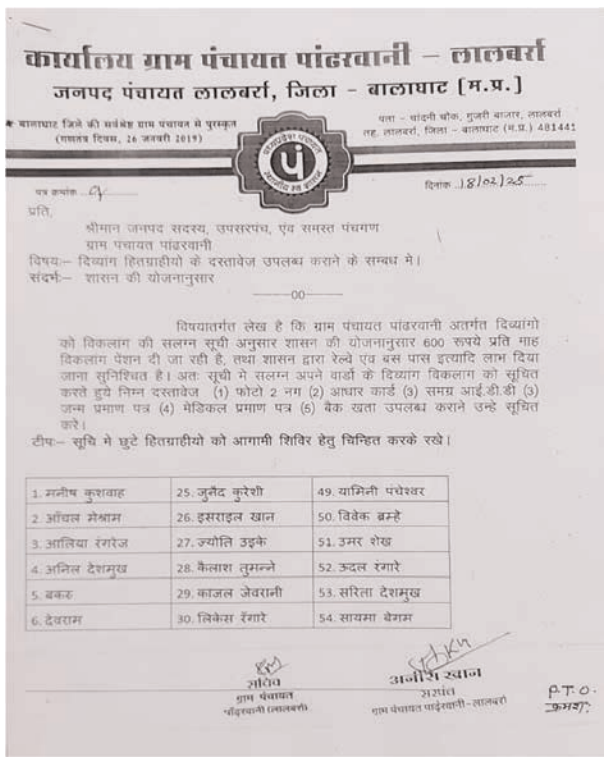

कार्यालय ग्राम पंचायत पांढरवानी – लालबर्रा
जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला – बालाघाट [म.प्र.]
बालाघाट जिले की सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत से पुरस्कृत (गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी 2019)
पता – चांदनी चौक, गुजरी बाजार, लालबर्रा तह. लालबर्रा, जिला – बालाघाट (म.प्र.) 481441
पत्र क्रमांक 64
दिनांक 18/02/25
प्रति,
श्रीमान जनपद सदस्य, उपसरपंच, एंव समस्त पंचगण
ग्राम पंचायत पांढरवानी
विषय:– दिव्यांग हितग्राहीयो के दस्तावेज उपलब्ध कराने के सम्बध मे।
संदर्भ:– शासन की योजनानुसार
—00—
विषयातर्गत लेख है कि ग्राम पंचायत पांढरवानी अतर्गत दिव्यांगो को विकलाग की सलग्न सूची अनुसार शासन की योजनानुसार 600 रूपये प्रति माह विकलाग पेंशन दी जा रही है, तथा शासन द्वारा रेल्वे एंव बस पास इत्यादि लाभ दिया जाना सुनिश्चित है। अतः सूची मे सलग्न अपने वार्डो के दिव्याग विकलाग को सूचित करते हुये निम्न दस्तावेज (1) फोटो 2 नग (2) आधार कार्ड (3) समग्र आई.डी.डी (3) जन्म प्रमाण पत्र (4) मेडिकल प्रमाण पत्र (5) बैक खता उपलब्ध कराने उन्हे सूचित करे।
टीप:– सूचि मे छुटे हितग्राहीयो को आगामी शिविर हेतु चिन्हित करके रखे।

1. मनीष कुशवाह	25. जुनैद कुरेशी	49. यामिनी पंचेश्वर
2. आँचल मेश्राम	26. इसराइल खान	50. विवेक ब्रम्हे
3. आलिया रंगरेज	27. ज्योति उइके	51. उमर शेख
4. अनिल देशमुख	28. कैलाश तुमन्ने	52. ऊदल रंगारे
5. बकरु	29. काजल जेवरानी	53. सरिता देशमुख
6. देवराम	30. लिकेस रँगारे	54. सायमा बेगम

सचिव
ग्राम पंचायत
पांढरवानी (लालबर्रा)
अनीस खान
सरपंच
ग्राम पंचायत पांढरवानी - लालबर्रा
P.T.O.
क्रमशः

चौकी वेंकटनगर थाना जैतहरी जिला अनूपपुर पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन करते ट्रेक्टर ट्राली करने वाले आरोपीयो के विरूध्द कार्यवाही

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मुखविर से सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति तिपान नदी के जरेली घाट सें आममाडांड तरफ नीले रंग के सोनालिका कपंनी के ट्रेक्टर के ट्राली में अवैध रेत उत्खन्न कर ग्राम आमाडांड में खाली करने वाला है । मुखबिर की सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान तिपान नदी जरेली घाट सें आममाडांड तरफ आने वाले रास्ते पर गया तो नीले रंग के सोनालिका कपंनी के ट्रेक्टर डीआई 35 रजिस्ट्रेशन नं. ष्ट्त31क्क3690 लिखा हरे रंग की ट्राली लगाये ट्राली में फुल ट्राली 03 घन मीटर रेत खनिज भरे जरेली तरफ से आमाडांड रोड़ की ओर आते दिखा जिसे रूकवाकर पूछंतांछ की गई तो ट्रेक्टर चालक द्वारा अपना नाम शैलेष सिंह परस्ते पिता मीठाईलाल उम्र 25 वर्ष निवासी आमाडांड थाना जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.) बताया एवं स्वंय को गाड़ी का ड्राईवर होना वताया ड्राईवर को धारा 94 BNSS का नोटिस देकर ट्रेक्टर ट्राली कागजात एंव ड्राईविंग लायसेंस तथा ट्राली में लोड रेत संबंधी टीपी पेश करने हेतु कहा गया जो रेत खनिज कि टी.पी. नही होना बताया । स्वंय ट्रेक्टर का चालक होना बताया । मौके पर उपस्थित साक्षीयो के समक्ष रजिस्ट्रेशन नं. ष्ट्त31क्क3690 डीआई 35 सोनालिका कम्पनी का ट्रेक्ट को मय हरे रंग की ट्राली में लोड अवैध रेत 03 घन मीटर कीमती 5000/– रूपये ट्रेक्टर ट्राली किमती 500000/– रूपये कुल मशरूका 505000 रूपया का मौके पर मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त किया गया । चालक शैलेष सिंह परस्ते एवं वाहन स्वामी मंगल सिंह के विरुध्द धारा 303(2),317(5) बीएनएस एवं 4/21 खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है । श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोती उर रहमान अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मंसूरी ,श्रीमान एसडीओ(पी.) महोदय श्री सुमित केरकट्टा एवं थाना प्रभारी विपुल शुक्ला महोदय के दिशा निर्देश पर अवैध रेत चोरी पर कार्यवाही की गई है उपरोक्त कार्यवाही में अमरलाल यादव चौकी प्रभारी वेंकटनगर आर. 281 सोनू पर्ते का विशेष योगदान रहा है।

डिजिटल मंच पर मर्यादा का संकट: सोशल मीडिया पर बढ़ती अभद्रता और कानूनी पहलू - आरटीआई कार्यकर्ता और समाजसेवी कुणाल शुक्ला ने कराई एफआईआर

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)
रायपुर, रायपुर के प्रसिद्ध आरटीआई कार्यकर्ता और समाजसेवी कुणाल शुक्ला ने धमतरी निवासी 55 वर्षीय नीलेश रायचूरा के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, रायचूरा बीते कई महीनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (ङ्ग) पर शुक्ला के परिवार, उनकी छोटी बेटी और पत्नी को लेकर अश्लील, अभद्र और फूहड़ टिप्पणियां कर रहा था। कुणाल शुक्ला ने पहले इन पोस्टों को नजरअंदाज किया, लेकिन जब यह सिलसिला खतरनाक हद तक बढ़ने लगा और परिवार की शांति भंग होने लगी, तब उन्होंने क़ानूनी कार्रवाई का फैसला किया। उन्होंने 19 सितंबर 2024 को रायपुर के पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपी, जिसकी पुष्टि के बाद 19 फरवरी 2025 को कोतवाली पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 296 (अश्लील कृत्य) के तहत मामला दर्ज कर लिया।
कुणाल शुक्ला बताते हैं कि हमारा रूटीन पूरी तरह से बिगड़ गया है। मेरा परिवार अब पहले की तरह सहज महसूस नहीं कर पा रहा। छोटी बच्ची को लेकर की गई अपमानजनक टिप्पणियों से हम बुरी तरह आहत हैं। अब मन में अजीब-सा डर बैठ गया है।
यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल रहे नैतिक पतन की एक मिसाल है। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आक्रामक, असभ्य और व्यक्तिगत आक्षेपों से भरते जा रहे हैं। ट्रोलिंग, गाली-गलौज और मानहानि जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जिनमें विशेष रूप से परिवारों और महिलाओं को निशाना बनाया जाता है।
ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर किस मानसिकता के लोग इस तरह की हरकतें करते हैं? विशेषज्ञों के मुताबिक, इस तरह के लोग आमतौर पर निजी कुंठा, मानसिक असंतुलन, या दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति से ग्रस्त होते हैं। इंटरनेट की गुमनामी (Anonymity) उन्हें इस तरह के आपराधिक कृत्य करने के लिए और अधिक बढ़ावा देती है।
भारत में सोशल मीडिया पर अपमानजनक और अश्लील टिप्पणियों से निपटने के लिए कई कानूनी प्रावधान मौजूद हैं-

1. आईपीसी की धारा 354D – महिलाओं का ऑनलाइन पीछा करने (Cyber Stalking) पर तीन साल तक की सजा।
2. आईटी एक्ट की धारा 67 – अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने पर सजा और जुर्माना।
3. आईपीसी की धारा 499 और 500 – मानहानि के मामलों में दो साल तक की सजा।
4. आईपीसी की धारा 506 – धमकी देने पर सात साल तक की सजा।

इसके समाधान के लिये –
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कड़े नियम लागू करने चाहिए ताकि अभद्र भाषा और व्यक्तिगत हमलों को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की जा सके।
साइबर पुलिस को ज्यादा सक्रिय होना चाहिए ताकि शिकायतों का निपटारा तेज़ी से हो।
लोगों को कानूनी जागरूकता होनी चाहिए ताकि वे डरकर चुप न बैठें, बल्कि उचित कार्रवाई करें।
परिवारों की सुरक्षा के लिए सरकार को कड़े कानून लागू करने चाहिए, जिससे कि डिजिटल मंचों पर किसी की निजी ज़िंदगी प्रभावित न हो।
यह घटना इस बात का प्रतीक है कि सोशल मीडिया अब केवल अभिव्यक्ति का मंच नहीं रह गया, बल्कि कई लोगों के लिए कुंठा निकालने और दूसरों को अपमानित करने का जरिया बनता जा रहा है। आज इंटरनेट पर कुछ लोग अपनी व्यक्तिगत कुंठाओं और मानसिक विकारों को गालियों और अभद्र टिप्पणियों के ज़रिए बाहर निकाल रहे हैं।
कुणाल शुक्ला की यह लड़ाई सिर्फ उनके परिवार की नहीं, बल्कि सभी परिवारों की सुरक्षा और सम्मान की लड़ाई है। ऐसे मामलों में पीड़ितों को चुप नहीं रहना चाहिए बल्कि कानूनी कार्रवाई करके समाज में एक मिसाल कायम करनी चाहिए।

होटल, लॉज आदि के संचालक को उनके प्रतिष्ठानों में ठहरने व निवास करने वाले व्यक्तियों की जानकारी थाने में देना होगा अनिवार्य

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री हर्षल पंचोली ने आदेश जारी कर कहा है कि जिला अनूपपुर अन्तर्गत होटल, लॉज एवं किराया के मकान अत्यधिक सख्या में संचालित है, जिनमें बाहरी व्यक्ति आकर ठहरते हैं एवं किराये के मकान में निवास करते हैं। जिला अन्तर्गत संचालित होटल, लॉज, धर्मशाला, रैन बसेरा में आने वाले एवं निवास करने वाले समस्त व्यक्तियों की विधिवत् जानकारी सम्बन्धित थानों में देना आवश्यक है, जिसका पालन नहीं हो रहा है, जिसके कारण आपराधिक घटनाओं में वृद्धि होती है तथा सूचना सम्बन्धित थाना में नहीं देने के कारण अपराधियों के फरार होने की संभावना होती है। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए जिला अनूपपुर अन्तर्गत संचालित समस्त होटल, लॉज, धर्मशाला, रैन बसेरा के मकान मालिक/संचालक को उनके प्रतिष्ठानों में ठहरने व निवास करने वाले व्यक्तियों की विधिवत् जानकारी संबंधित निकटतम थाने में देना अनिवार्य होगा। इस संबंध में कलेक्टर ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि थाना क्षेत्रान्तर्गत उक्त सम्बन्ध में होटल, लॉज, धर्मशाला, रैन बसेरा एवं किराये के मकान में रहने वाले व्यक्तियों की जानकारी संधारित करना सुनिश्चित करें।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी

टीएस सिंहदेव के साथ दो कार्यकारी अध्यक्षों की चर्चा

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग) रायपुर, लगातार चुनावी पराजयों के बाद, छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नए प्रदेश अध्यक्ष के साथ दो कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, ताकि जातीय और क्षेत्रीय संतुलन स्थापित किया जा सके।

वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार चार चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है, जिससे संगठन में बदलाव की मांग उठ रही है। सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर विचार हो रहा है।

यदि टीएस सिंहदेव प्रदेश अध्यक्ष बनते हैं, तो पार्टी दो कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति पर विचार कर रही है। इस फॉर्मूले के तहत, एक कार्यकारी अध्यक्ष आदिवासी समुदाय से और दूसरा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) से हो सकता है, ताकि विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। आदिवासी समुदाय से इंद्र शाह मंडावी, फूलोदेवी नेताम, अनिला भेंडिया, लखेश्वर बघेल और अमरजीत भगत के नाम चर्चा में हैं। वहीं, OBC वर्ग से उमेश पटेल, द्वारिकाधीश यादव और रामकुमार यादव प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हाल ही में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी OBC) का महासचिव नियुक्त किया गया है और उन्हें पंजाब का प्रभारी भी बनाया गया है। इससे प्रदेश में नए नेतृत्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि संगठन में संतुलन बना रहे और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में संभावित नेतृत्व परिवर्तन और दो कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति का उद्देश्य पार्टी को मजबूत करना और विभिन्न समुदायों के बीच संतुलन स्थापित करना है। आगामी दिनों में इस संबंध में आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है, जिससे पार्टी के भविष्य की दिशा निर्धारित होगी।

जामिया तिब्बिया मेडिकल कॉलेज की ओर से साखन खुर्द में निःशुल्क चिकित्सा शिविर हुआ आयोजित

शिविर का उद्घाटन जामिया तिब्बिया के प्रबंधक डा0 अनवर सईद ने फीता काटकर किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ. प्र.) सहारनपुर । देवबंद, जामिया तिब्बिया मेडिकल कॉलेज की ओर से साखन खुर्द में आज एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जामिया तिब्बिया के प्रबंधक डा0 अनवर सईद ने फीता काटकर किया। चिकित्सा शिविर में चिकित्सकों ने रोगियों की जांच कर उन्हें औषधि का वितरण किया। साखन खुर्द में लगाए गए शिविर में डॉ. मुजम्मिल और डॉ. मौहम्मद आजम उस्मानी ने विभिन्न बीमारियों से पीड़ित रोगियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क औषधि का वितरण किया। इस दौरान कुछ रोगियों की फिजियोथेरैपी और खून की जांच भी की गई। डॉ. मौहम्मद आजम उस्मानी ने बताया कि शिविर में लगभग 127 मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क औषधि का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि जामिया तिब्बिया मेडिकल कॉलेज गरीब व असहाय लोगों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए समय-समय पर चिकित्सा शिविर का आयोजन करती है। इस अवसर पर प्रौ0 निख्हत सज्जाद, डा0 मिस्बाह नईम, आमिर सईदी, मनोज कुमार, कु0 रेशमा खानम, श्रीमति राधा रानी, शारिक उस्मानी, प्रभात त्यागी आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महापौर ने हबीबगढ़ में किया सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ

महानगर में बिना किसी भेदभाव के पानी निकासी और सड़कों की बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य हो रहे है -मेयर डा. अजय कुमार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज वार्ड- 67 के हबीबगढ़ में सीसी सड़क व नाली निर्माण के कार्य का शुभारंभ किया। नगर निगम में शामिल किये गये 6 गांव वार्ड 67 के अंतर्गत ही आते हैं।महापौर डॉ. अजय कुमार ने हबीबगढ़ में रिबन काटकर व नारियल फोड़कर सीसी सड़क व नाली निर्माण के कार्य का शुभारंभ किया। महापौर डा. अजय कुमार ने कहा कि नगर निगम प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में सभी 32 गांवों में पानी निकासी और सड़क आदि बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार शहरों के साथ-साथ गांवों के समुचित विकास के लिए भी एक समुचित योजना के साथ कार्य कर रही है। महापौर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिए 4882 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिए 1200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। जिससे निश्चय ही गांवों का विकास होगा। इस दौरान पार्षद डॉ. मोहतसिम, पार्षद डॉ. एहतेशाम, पार्षद सईद सिद्दीकी, पार्षद प्रतिनिधि गुलजेब, पार्षद विनोद सैनी, साबिर मलिक आदि मौजूद रहे।

घोड़ाडोंगरी विधायक की नाराजगी के बाद सीएमएचओ डॉ. रविकांत उईके की होगी विदाई

बैतूल। बैतूल जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रविकांत उईके को जल्द ही पद से हटाया जा सकता है। यह फैसला घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके की नाराजगी के बाद लिया गया है। विधायक ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितताओं और कार्यशैली में सुधार न होने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी।

विधायक ने जताई थी नाराजगी विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने शाहपुर में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में सीएमएचओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। इसके अलावा, उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) की बैठक में भी डॉ. रविकांत उईके के कामकाज को लेकर खुलकर असंतोष जाहिर किया। उनका आरोप था कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ आम जनता तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है।

कलेक्टर ने आयुक्त को भेजा प्रतिवेदन विधायक के असंतोष को देखते हुए बैतूल कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने आयुक्त स्वास्थ्य सेवाओं को पत्र भेजकर सीएमएचओ को हटाने की अनुशंसा की है। प्रतिवेदन में कहा गया है कि 1 फरवरी 2025 को हुई एसीएस की बैठक में विधायक ने मांग की थी कि लचर कार्यप्रणाली के चलते सीएमएचओ को हटाकर किसी योग्य अधिकारी को यह जिम्मेदारी दी जाए।

प्रशासनिक फैसलों के कारण चर्चा में थे डॉ. उईके ज्ञात हो कि डॉ. रविकांत उईके अपने कार्यकाल के दौरान कई खंड चिकित्सा अधिकारियों को हटाने और वित्तीय एवं प्रशासनिक स्तर पर बदलाव लाने के लिए जाने जाते थे। हालांकि, इन बदलावों से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे। अब कलेक्टर की अनुशंसा के बाद उनके स्थानांतरण की प्रक्रिया तेज हो गई है।

स्वास्थ्य विभाग में जल्द होंगे बड़े बदलाव इस घटनाक्रम के बाद माना जा रहा है कि बैतूल जिले के स्वास्थ्य विभाग में जल्द ही बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नए सीएमएचओ की नियुक्ति के बाद जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

राजकीय चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षक द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस करने पर होगी कडी कार्यवाही

प्राइवेट प्रैक्टिस करते हुए पाए जाने पर नियंत्रक की जिम्मेदारी भी होगी तय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तर पर राजकीय चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों द्वारा की जा रही प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायतों की जांच हेतु गठित सतर्कता समिति की बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने महानिदेशक चिकित्सा के दिए गये निर्देशों के आधार पर कहा कि चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग के संस्थान प्रमुखों को कि शासन के निर्देशों का पूर्णतया अनुपालन करते हुए यह सुनिश्चित करें कि आपके नियंत्रणाधीन कोई भी राजकीय चिकित्सक किसी निजी नर्सिंग होम एवं संस्थान में अथवा निजी क्लीनिक में प्राइवेट प्रैक्टिस में लिप्त न हो। यदि आपके नियंत्रणाधीन किसी भी राजकीय चिकित्सक द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस में लिप्त होने की पुष्टि होती है, तो तत्काल उनके विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही की सूचना समिति को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि यदि किसी भी राजकीय चिकित्सक द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस में लिप्त होने की सूचना किसी अन्य माध्यम से समिति को प्राप्त होती है तो यह समझा जाएगा कि संबंधित नियंत्रक अधिकारी द्वारा जानबूझकर तथ्यों को छिपाया जा रहा है एवं शिथिलता बरती जा रही है। इसलिए संबंधित नियंत्रक अधिकारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के चिकित्सा शिक्षक एवं चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के राजकीय चिकित्सकों द्वारा शपथ पत्र लिया जाए कि उनके द्वारा कहीं पर निजी प्रैक्टिस नहीं की जा रही है। इसके बावजूद अगर कोई निजी प्रैक्टिस करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी के साथ सभी की एक सूची तैयार कर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं एलआईयू को उपलब्ध कराई जाए। जनपद स्तर पर गठित सतर्कता समिति में जिलाधिकारी अध्यक्ष, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी द्वारा नामित अभिसूचना इकाई का सदस्य, प्रधानाचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक एसबीडी, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय सदस्य एवं मुख्य चिकित्साधिकारी सदस्य सचिव होंगे। बैठक में एसपी सिटी व्योम बिंदल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज डॉ0 सुधीर राठी, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 रामानन्द, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय डॉ0 इंद्रा सिंह एवं क्षेत्राधिकारी एलआईयू उपस्थित रहे।

03 हजार ओर 02 हजार के दो फरार ईनामी वारंटी थांदला पुलिस के हत्थें चढ़े

थांदला- पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा सभी थाना प्रभारीयों को ईनामी बदमाश की धरपकड हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तरतम्य में पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्म विलोचन शुक्ल के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे के निर्देश एंव एसडीओपी, रविन्द्रसिह राठी के मार्गदर्शन, थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार मालवीया के नेतृत्व में थाना थांदला पर ईनामी बदमाशों की धरपकड़ हेतु टीम गठित गई। कठित टीम द्वारा तीन हजार रुपये ईनामी बदमाश भागीरथ पिता शंकरलाल चन्द्रवासी सरवान थाना उन्हेल जिला उज्जैन हाल मु.नागदा जो 2018 से एक्सीडेन्ट के मामले मे फरार चर रहा था। जिसकी आने जाने की जानकारी मुखबीर से प्राप्त हुई जिसे पुलिस टीम सउनि बाथुसिंह बिलोरे,प्र.आर.01 राजेन्द्र एंव आर. 440 पुखराज द्वारा आरोपी के घर नागदा से पकड़ा एंव गिरफ्तार किया गया (2) थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार मालवीया के नेतृत्व में थाना थांदला पर ईनामी बदमाशों की धरपकड़ हेतु टीम गठित गई। गठित टीम द्वारा दो हजार रुपये ईनामी बदमाश गोपाल पिता हवसिह डामोर उम्र 30 साल निवासी कोटडा जो 2017 से मारपीट के मामले मे फरार चर रहा था। जो की राजस्थान बाहर मजदुरी से अपने घर ग्राम कोटडा मे आने की जानकारी मुखबीर से प्राप्त हुई जिसे पुलिस टीम निरीक्षक बृजेश कुमार मालवीय सउनि बाथुसिह बिल्लोरे , प्र.आर. 01 राजेन्द्र एंव आर. 440 पुखराज द्वारा उसके घर ग्राम कोटडा मे घेराबंदी कर बामुश्किल पकड़ा एंव गिरफ्तार किया गया। इस उल्लेखनीय कार्यवाही में निरीक्षक ब्रजेश कुमार मालवीय,सउनि बाथुसिंह बिलोरे,प्र.आर.01 राजेन्द्र आर.440 पुखराज सराहनीय योगदान रहा।

डीएम-एसएसपी ने आगामी बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए समस्त उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उप्र) सहारनपुर, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा शुचितापूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न हो इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने राजकीय कन्या इंटर कॉलेज नेहरू मार्किट एवं एसडी इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों में बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कक्षाओं में लगे सीसीटीवी कैमरे की पोज़िशन को भी देखा। उन्होंने निर्देशित किया कि कंट्रोल रूम, कक्षाओं एवं परिसर में साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाए। सीसीटीवी कैमरे को 24 घंटे संचालित रखने के लिए पर्याप्त पॉवर बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए समस्त उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनपद में 24 फरवरी से 12 मार्च तक यूपी बोर्ड परीक्षाएं होनी हैं। जिले में 90 परीक्षा केंद्र बनाए गये हैं। हाईस्कूल में 37286 एवं इंटरमीडिएट 35287 परीक्षार्थी समेत कुल 72573 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रेखा, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय हर्ष देव स्वामी सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

मेधावी छात्राओं को मुस्लिम नायता समाज ने किया सम्मानित

खरगोन कसरावद में मेधावी छात्राओं में चयनित छात्राओं को किया मुस्लिम नायता जमात ने कीया सम्मानित 12वीं परीक्षा में अछे अंक प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा छात्र-छात्राओं को लैपटॉप दिया गया जो कि लैपटॉप की राशि छात्र-छात्राओं के खाते में डाल दी गई जिससे छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दिखाई दी जिनके परिवार के माता-पिता भी खुश नजर आए मुस्लिम नायता समाज के सदर तस्लीम खान एवं वरिष्ठ जनों द्वारा छात्राओं का सम्मान किया गया छात्रा सफिया पिता आदिल खान, अक्शा पिता अनीश खान, सुहाना पिता रफीक खान, सानिया पिता अमजद खान सभी का सम्मान किया गया समाज के भुरु खान, आशिक पठान ,लतीफ खान, अनीश पटेल, राजा खान, एवं समाज जनों ने बधाई दी सदर तस्लीम खान ने बचों की पढ़ाई को लेकर समाज जनों से अपील की है शिक्षा के लिए अधिक से अधिक बचों पर मेहनत की जाएगी और भी कमीयों को पूरा किया जाएगा।

अशासकीय विद्यालयों की मान्यता की आवेदन तिथि बढ़ी

खरगोन प्रदेश के अशासकीय विद्यालय की मान्यता नवीनीकरण और नवीन मान्यता की अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 25 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। राय शिक्षा केन्द्र ने स्पष्ट किया है कि 25 फरवरी के बाद अंतिम तिथि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जा सकेगी। मान्यता संबंधी निर्देश पूर्व की तरह यथावत रहेंगे।

प्रदेश में शिक्षण सत्र 2025-26 के लिये अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण और नवीन मान्यता आवेदन की अंतिम तिथि 7 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी। विलंब शुल्क के साथ अंतिम तिथि 14 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी। अशासकीय विद्यालयों की दिक्कतों को देखते हुए राय शिक्षा केन्द्र ने आवेदन तिथि में वृद्धि की है। राय शिक्षा केन्द्र ने कलेक्टर्स और जिला परियोजना समन्वयक को इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं।

समेकित छात्रवृत्ति योजना स्कूल शिक्षा विभाग ने समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के अंतर्गत समेकित छात्रवृत्ति योजना लागू की है। योजना का नोडल अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग निर्धारित किया गया है। समेकित छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को 6 विभागों की लगभग 20 प्रकार की छात्रवृत्ति शिक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृत कर सीधे विद्यार्थी के खाते में भुगतान किये जाने की व्यवस्था की गई है। योजना में प्रत्येक विद्यार्थी का नाम समग्र यूनिक आईडी के आधार पर उसके स्कूल के डाइस कोड के साथ मेपिंग कर कक्षावार, स्कूलवार नामांकन ऑनलाइन किये जाने का सिस्टम शिक्षा पोर्टल एनआईसी के माध्यम से तैयार कराया गया है। प्रत्येक छात्र की प्रोफाइल में संबंधित की जाति, माता-पिता का व्यवसाय, परिवार की वार्षिक आय, बीपीएल स्टेटस, छात्रावासी स्टेटस, पिछले वर्ष का परीक्षा परिणाम, जो छात्रवृत्ति गणना करने में आवश्यक होते हैं, उसे रिकॉर्ड में रखा जाता है।

प्रमोद देवड़ा नोटरी नियुक्त

उज्जैन

केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अभिभाषक प्रमोद देवड़ा को नोटरी अधिनियम 1952 के अधीन नोटरी के रूप में नियुक्त किया है। देवड़ा खाचरोद बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं,एवं वर्तमान में नगर पालिका खाचरोद के विधिक सलाहकार एवं अधिवक्ता भी है साथ ही पूर्व में अभिभाषक संघ खाचरोद के अध्यक्ष पद का निर्वहन कर चुके हैं, प्रमोद देवड़ा पिछले करीब 25 वर्षों से खाचरोद में विधिक सेवा दे रहे है जिसमें सिविल आपराधिक फौजदारी राजस्व जैसे सभी मामलों के केस शामिल है । देवड़ा को यह नियुक्ति 19 फरवरी को उप विधिक सलाहकार विधि एवं न्याय मंत्रालय नई दिल्ली के हस्ताक्षर से मैल के माध्यम से प्राप्त हुआ ।

03 हजार का फरार ईनामी वारंटी थांदला पुलिस के हत्थें चड़ा

झाबुआ थांदला श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय झाबुआ श्री पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा सभी थाना प्रभारीयों को ईनामी बदमाश की धरपकड हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तरत?मय में पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री पद्म विलोचन शुक्ल के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे के निर्देश एंव एसडीओपी,श्री रविन्द्रसिह राठी के मार्गदर्शन, थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार मालवीया के नेतृत्व में थाना थांदला पर ईनामी बदमाशों की धरपकड़ हेतु टीम गठित गई। कठित टीम द्वारा तीन हजार रुपये ईनामी बदमाश भागीरथ पिता शंकरलाल चन्द्रवासी सरवान थाना उन्हेल जिला उज्जैन हाल मु.नागदा जो 2018 से एक्सीडेन्ट के मामले मे फरार चर रहा था। जिसकी आने जाने की जानकारी मुखबीर से प्राप्त हुई जिसे पुलिस टीम सउनि बाथुसिंह बिलोरे,प्र.आर.01 राजेन्द्र एंव आर. 440 पुखराज द्वारा आरोपी के घर नागदा से पकड़ा एंव गिरफ्तार किया गया। इस उल्लेखनीय कार्यवाही में निरीक्षक ब्रजेश कुमार मालवीय,सउनि बाथुसिंह बिलोरे,प्र.आर.01 राजेन्द्र आर.440 पुखराज सराहनीय योगदान रहा।

सतयुगी संस्कारों से आयेगा सतयुग महाशिवरात्रि शिव जयंती महोत्सव - भव्य आयोजन

उज्जैन

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, खाचरोद- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी द्वारा महाशिवरात्रि को शिव जयंती महोत्सव के रूप में बड़े हर्षोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रवलन से हुआ, जिसमें मुख्य अतिथियों एवं वरिष्ठ ब्रह्माकुमारियों ने भाग लिया । इसके पश्चात, उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्यों को उजागर किया । शिवरात्रि का आध्यात्मिक संदेश ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि आज का समाज अशांति, चिंता, नफरत, क्रोध और अहंकार को अपना स्वाभाविक स्वभाव मान चुका है, जिसके कारण हमें यह संसार घोर कलयुग प्रतीत होता है । उन्होंने बताया कि कलयुग के बाद सतयुग निश्चित रूप से आएगा, लेकिन उसके लिए हमें सतयुगी संस्कारों को धारण करना होगा । उन्होंने आगे कहा, हम आत्माएं अपने मूल धर्म - शांति, पवित्रता, प्रेम और शक्ति - से पूरी तरह भटक चुकी हैं। इस अज्ञान के अंधकार को मिटाने के लिए स्वयं निराकार परमात्मा शिव, योति बिंदु स्वरूप में इस घोर रात्रि के समय अवतरित होते हैं और हमें ज्ञान की अमृत वर्षा से जागृत करते हैं । इसलिए इस पर्व को महाशिवरात्रि कहा जाता है । मुख्य अतिथि किसान नेता श्री दयाराम धाकड़, जेलर श्री सुरेंद्र सिंह राणावत उपस्थित रहे !

मुख्य अतिथियों का संदेश

किसान नेता श्री दयाराम धाकड़ और जेलर श्री सुरेंद्र सिंह राणावत ने इस आयोजन के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं और कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मकता एवं नैतिकता का संचार होता है । आभार एवं समापन अंत में ब्रह्माकुमारी किरण दीदी ने सभी उपस्थित महानुभावों, अतिथियों एवं शिव भक्तों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिव ध्वजारोहण एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम भी संपन्न हुआ, जिसके पश्चात सभी को भोग एवं प्रसाद वितरण किया गया ! इस पावन आयोजन में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, शिव भक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने शिव जयंती के आध्यात्मिक महत्व को आत्मसात किया ।

वित्त पोषण की कार्यवाही मासांत तक पूरी करें - कलेक्टर श्री सिंह

विदिशा

डीएलसीसी की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई थी। उन्होंने हितग्राहियों मूलक योजनाओं के आवेदनो में वित्त पोषण की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी बैंकर्स प्रतिनिधियों को सचेत करते हुए कहा कि फरवरी माह के अंत तक लक्ष्यों के अनुसार वित्त पोषण की शत प्रतिशत कार्यवाही पूरी करें। वित्तीय वर्ष का मार्च माह विभिन्न कारणो से विभागो के अधिकारी व बैंकर्स व्यस्थ हो जाते है। अत: इस व्यस्थता में बैठक जैसी दखल से व्यवधान ना हो इसके लिए 28 फरवरी तक तमाम योजनाओं के लक्ष्यों में सौ प्रतिशत वित्तीय पोषण की कार्यवाही करें। जिस बैंक के द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जाएगी। उनके खिलाफ विभिन्न प्रकार के मामले दर्ज किए जाएंगे और उनके वरिष्ठ कार्यालय को शाखा प्रबंधक की कार्यप्रणाली को रेखांकित करते हुए कठोर कार्यवाही हेतु प्रस्ताव प्रेषित किए जाएंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि कोई भी व्यक्ति बैंको के बार-बार चक्कर नहीं लगाना चाहता है। बैंकर्स इसे प्रतिष्ठा इशु ना बनाए। बहुत जरूर पड़ती है तो एक ही बार हितग्राही को बुलाकर तमाम जानकारियां पूरी कर ली जाएं। जिससे बैंकर्सो के प्रति हितग्राहियों में विश्वास की वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणो में स्वीकृति प्रदाय की गई है और अब तक वित्त पोषण की कार्यवाही क्यों नहीं की गई कि जानकारियां लीड़ बैंक आफीसर को लिखित में अवगत कराएंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न प्रकार के बीमा जैसे पीएमजेजेबीवॉय,

पीएमएसबीबाय और पीएमजेडीवाय से कोई भी बैंक खाताधारक वंचित ना रहें। उक्त योजनाओं के तहत बीमा की छोटी सी प्रीमियम राशि स्वयमेव बैंक खाते से काटी जा सकती हैं अत: बीमा की इस योजना से कोई भी वंचित ना रहें। उन्होंने कहा कि जिले में जिन भी हितग्राहियों को योजनाओं के तहत वित्त पोषण की कार्यवाही की जा रही है, पीएम आवास योजना, पात्रतापर्ची धारक, लाड़ली बहना के अलावा अन्य शासकीय योजनाओं से लाभांवित होने वाले सभी हितग्राहियों का बीमा अनिवार्य रूप से हो। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी बैंकर्सों में बीमा योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए कहा कि स्टेडिंग, फ्लैक्स ऐसे स्थलों पर लगाए जाएं जहां अधिक से अधिक नागरिकों की आवाजाही होती है। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि बैंको में हितग्राहियो के आवेदनो को जमा करने तक सीमित ना रहें बल्कि उन आवेदनों पर अब तक क्या कार्यवाही बैंको के द्वारा की गई है के अपडेट प्राप्ति हेतु सतत सम्पर्क बनाए रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने पीएम विश्वकर्मा योजना के कार्यों पर विशेष बल देते हुए क्रियान्वित कार्यों समीक्षा की है। निर्धारित पैरामीटर अनुसार पात्रता रखने वाले कारीगरों को इसका लाभ मिले वह अपना बिजनेस प्रारंभ कर सकें और उसे स्किल कर सकें। इस हेतु योजना में लाभान्वितों को ऋण मुहैया कराया जाएगा। बैठक में उन्होंने आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना, पशुपालन किसान क्रेडिट योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, टंट्या मामा स्वरोजगार योजना समेत विभिन्न स्वरोजगार हेतु संचालित योजनाओं की समीक्षा की है। कलेक्टर श्री सिंह ने पीएमजेजेबीवाय, पीएमएसबीवाय सहित अन्य बीमा योजनाओं की क्रियान्वयन स्थिति का भी जायजा लिया है। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए निर्देश दिए हैं साथ ही इन योजनाओं में हितग्राहियों को प्रतिवर्ष रिन्यूअल के कार्यों के लिए संबंधित बैंकों के बीसी को इस कार्य में संलग्न करने के निर्देश दिए हैं। उक्त बैठक में स्व सहायता समूहो को दिए जाने वाले क्रेडिट लीकेंज (सीसीएल की प्रगति), मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना इत्यादि शामिल है। लीड़ बैंक आफीसर श्री बीएस बघेल के द्वारा भारतीय स्टेट बैंक शाखा बरेठ बासौदा का स्थान परिवर्तन कर उदयपुर में शाखा प्रस्तावित करने के प्रस्ताव पर सहमति दी गई है। बैठक में पोर्टल पर दर्ज लंबित आरआरसी, सीएम हेल्पलाइन शिकायतो की भी समीक्षा की गई है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, आरबीआई के एलडीओ श्री नवनीत तिवारी, नाबार्ड की जिला प्रबंधक श्रीमती जसप्रीत कौर के अलावा समस्त बैंकर्स प्रतिनिधि व विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में लीड बैंक आफीसर श्री बीएस बघेल के द्वारा पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयो के पालन प्रतिवेदन की जानकारियां भी प्रस्तुत की गई वहीं बैठक में जो भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है उनका बैंकर्स प्रतिनिधि समय सीमा में क्रियान्वित कर बैंक व जिले की ख्याति में वृद्धि करेंगे से आश्वस्त कराया है।

आंगनवाड़ी केन्द्रों संबंधी जानकारी पोषण ट्रेकर एप पर अपडेट करें

हरदा

कलेक्टर श्री सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक में दिये निर्देश

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने उपस्थित सभी परियोजना अधिकारियों व पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र की सही-सही जानकारी पोषण ट्रेकर एप पर नियमित रूप से अपडेट की जाए। उन्होने पोषण ट्रेकर एप संचालन के लिये कार्यकर्ताओं को आवश्यक ट्रेनिंग दिलाने के निर्देश भी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी को दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में कहा कि शासन द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों के कुपोषण, केन्द्रों में पेयजल व विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, बच्चों की ऊँचाई व वजन जैसी जानकारी कार्यकर्ता को अपडेट करना होती है, जोकि कार्यकर्ताओं द्वारा नियमित रूप से अपडेट नहीं की जा रही है। यह जानकारी आगामी 15 दिन में सही-सही अपडेट करने के निर्देश उन्होने दिये। उन्होने कहा कि 15 दिन बाद फिर से समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी तथा उसके बाद भी सुधार न होने पर संबंधित अधिकारी कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होने सुपरवाइजर्स और सीडीपीओ को अपने-अपने क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिये तथा निरीक्षण के दौरान पोषण ट्रेकर एप के संबंध में कार्यकर्ता को मार्गदर्शन करने के लिये कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी सुपरवाइजर्स व सीडीपीओ को निर्देश दिये कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के हितग्राहियों का शतप्रतिशत ई-केवायसी किया जाए। उन्होने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत लंबित भुगतान अगले तीन दिनों में सर्वोच्च प्राथमिकता से हितग्राहियों को कराएं।

कलेक्टर ने एमपीआरआरडीए की निर्माणाधीन सड़कों की समीक्षा की

नर्मदापुरम

कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (स्क्क्रक्रष्ठ) द्वारा निर्माणाधीन सड़कों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न मार्गों के निर्माण कार्य की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान आरी से बुधनी वाया बीकोर, बाबई सिरवाड़ से चीचलीकल रैपुरा, वंशीखेरी फुरतला सेंदरवाड़ा से चौराहेट, (मोहगांव) से डोलरिया खुर्द वाया महेन्द्रवाड़ी, एस.एच.-22 से बारंगी कटियाखापा, सोहागपुर गुंदरई से चौरगांव रोड, तिनसरी से पचलावरा और पचलावरा से सरी किशोर तक के निर्माणाधीन मार्गों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने रिची से लुचगांव, लुचगांव से रामगढ़ तक उन्नयन के लिए हैवी ट्रैफिक अंतर्गत मार्गों की प्रगति की भी समीक्षा की। पीएमजीएसवाई भाग 3 के प्रगतिरत सेतुओ की वर्तमान स्थिति की जानकारी का भी कलेक्टर द्वारा सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया कलेक्टर सोनिया मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेंटेनेंस योग्य सड़कों के प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार कर विभाग को भेजे जाएं, ताकि शीघ्र स्वीकृति प्राप्त हो सके इसके अलावा, कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (क्कू्रस्ड्ड) फेज-4 के लिए सर्वे कार्य जल्द पूरा करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी ग्राम इस योजना के अंतर्गत सर्वे से वंचित न रहे। समीक्षा बैठक में नर्मदा परिक्रमा पथ के निर्माण कार्य पर भी चर्चा की गई, जो ताल नगरी से खोकसर तक नई पद्धति से तैयार किया जा रहा है। बैठक में एमपीआरआरडीए के महाप्रबंधक मनोज कुमार चौधरी, सहायक प्रबंधक राजेश उइके और कैलाश जोठे उपस्थित रहे।

सो रहे श्रमिकों के शेड पर ट्रक से गिराई रेत, पांच मजदूरों की मौत

जालना/नासिक. महाराष्ट्र के जालना में शनिवार को एक निर्माण स्थल पर बने श्रमिकों के अस्थायी 'शेड' पर ट्रक से गिराए गए रेत के कारण उसमें सो रहे पांच मजदूरों की दबकर मौत हो गई। जान गंवाने वालों में एक नाबालिग भी शामिल है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जाफराबाद तहसील के पासोडी-चंदोल में एक पुल परियोजना स्थल पर तड़के हुई।

ट्रक चालक घटनास्थल से भाग गया उन्होंने बताया कि मजदूर निर्माण स्थल पर बने एक अस्थायी शेड में सो रहे थे कि तभी चालक रेत से भरा 'टिपर' ट्रक लेकर वहां पहुंचा और उसने अनजाने में वहीं शेड पर ही पूरा रेत गिरा दिया, जिससे मजदूर उसके नीचे दब गए। सूत्रों के मुताबिक, रेत के भार से शेड ढह गया, जिसके बाद ट्रक चालक घटनास्थल से भाग गया।

मलबे से एक लड़की और एक महिला को बचा लिया गया अधिकारी ने बताया कि मलबे से एक लड़की और एक महिला को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और चालक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। मृतकों की पहचान सिल्लोड तहसील के गोलेगांव निवासी गणेश धनवाई (60) और उनके बेटे भूषण धनवाई (16) तथा जाफराबाद तहसील के पद्मावती निवासी सुनील सपकाल (20) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि अन्य दो पीड़ितों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

नासिक में राजमार्ग पर ट्रक ने वाहनों को टक्कर मारी नासिक जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग के घाट खंड पर एक ट्रक के वाहनों को टक्कर मार देने से एक महिला की मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना चांदवड के पास मुंबई-आगरा राजमार्ग पर राहुड घाट पर शुक्रवार रात करीब 10 बजे हुई। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई की ओर जा रहे एक ट्रक के ब्रेक ढलान पर खराब हो गए और वह कारों व ट्रकों सहित सात से आठ वाहनों से टकरा गया।

पांच अन्य गंभीर रूप से घायल अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में एक कार में सवार 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई, पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए तथा कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं। घायलों को चांदवड उपजिला अस्पताल ले जाया गया है। राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया था और सुबह तक स्थिति सामान्य हो गई।

आर्केस्ट्रा डांसर को उठाकर जंगल में ले गए 6 बदमाश, रातभर किया गैंगरेप

सिंगरौली । मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में एक आर्केस्ट्रा डांसर के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। एक कार्यक्रम में डांस करने के बाद जब डांसर अपनी टीम के साथ लौट रही थी तो रास्ते में आधा दर्जन बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। जंगल में ले जाकर उसके साथ रातभर गैंगरेप किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात सिंगरौली जिले के माडा थाना अंतर्गत शीतूल गांव की है। गांव के रहने वाले देव कुमार शाह के घर बुधवार को बरहो संस्कार का कार्यक्रम था, इसके लिए सरई इलाके से आर्केस्ट्रा बुलाया गया था। इसमें पीड़िता अपनी बहन और अन्य डांसर लड़कियों के साथ पहुंची थी। प्रोग्राम देर रात तक चला। इसके खत्म होने के बाद पीड़िता और अन्य लोग अलग-अलग बाइक से लौट रहे थे। रास्ते में तभी कुछ बाइक सवार बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया और युवती को पकड़कर जंगल की तरफ ले गए। उसके साथी ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और भगा दिया। युवती को जबरन बाइक से उतारकर अपने साथ सखौहां शिव मंदिर के पास जंगल में ले गए। वहां 6 बदमाशों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे उसी हालत में छोड़कर भाग गए। पीड़िता गुरुवार की सुबह किसी तरह अपने घर पहुंची और उसने अपनी बड़ी बहन को पूरी घटना बताई। इसके बाद आर्केस्ट्रा में काम करने वाले साथियों और बहन के साथ थाने पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया और उसका मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में शामिल बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

ट्रंप प्रशासन में बड़े फेरबदल, हटाए गए शीर्ष आव्रजन अधिकारी

वाशिंगटन । अमेरिका में अवैध प्रवासियों को देश से निकालने की प्रक्रिया तेज करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट के कार्यवाहक निदेशक केलिब विटेलो को उनके पद से हटा दिया है। मामले में होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि विटेलो अब प्रशासनिक पद पर नहीं रहेंगे, बल्कि सीधे तौर पर फील्ड ऑपरेशंस की निगरानी करेंगे। वह अब अवैध प्रवासियों की पहचान, गिरफ्तारी और निर्वासन की प्रक्रिया को देखेंगे, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और गृह सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम की प्राथमिकताओं में शामिल है। क्यों हटाए गए केलिब विटेलो? व्हाइट हाउस अधिकारियों का मानना है कि अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया अपेक्षित गति से नहीं हो रही थी, जिसकी वजह से यह फैसला लिया गया। आईसीई के प्रमुख एजेंट टॉम होमैन के अनुसार, अमेरिका के अंदर गिरफ्तार किए जा रहे अवैध प्रवासियों की संख्या पिछले साल की तुलना में तीन गुना बढ़ी है, लेकिन यह अब भी ट्रंप प्रशासन की अपेक्षा से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि अब बिना आईसीई नेतृत्व की मंजूरी के किसी भी अवैध प्रवासी को हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा। **शीर्ष सैन्य अधिकारी को भी हटाया गया** इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को अमेरिकी सेना के सबसे वरिष्ठ अधिकारी, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल सी. क्यू. ब्राउन को अचानक उनके पद से हटा दिया। जानकारी के मुताबिक, जनरल सीक्यू ब्राउन अमेरिकी सैन्य इतिहास में दूसरे अश्वेत अधिकारी थे, जो इस उच्च पद तक पहुंचे थे। उनका कार्यकाल यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्षों से निपटने में बीता। ट्रंप ने सीक्यू ब्राउन को दिया धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा, 'वे एक अच्छे इंसान और बेहतरीन नेता हैं। मैं उनके और उनके परिवार के लिए उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।'

पाकिस्तान की मलीर जेल से रिहा हुए 22 भारतीय मछुआरों की आज हो सकती है वतन वापसी

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के कराची की मलीर जेल में बंद 22 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया गया है। एक स्थानीय समाचार पत्र ने मछुआरों की रिहाई के बारे में मलीर जेल अधीक्षक अरशद शाह का हवाला दिया, जिन्होंने बताया कि मछुआरों को सजा पूरी होने के बाद शुक्रवार को रिहाई दी गई। आज उन्हें भारत को सौंपा जा सकता है।

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, एधी फाउंडेशन अध्यक्ष फैसल एधी ने मछुआरों को लाहौर पहुंचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था की। उन्होंने मछुआरों का यात्रा खर्च वहन करने के साथ ही उन्हें उपहार और नकद राशि प्रदान की। मछुआरे लाहौर से भारत वापस लौटेंगे।

एधी फाउंडेशन ने सरकारों से दयालु दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया एधी फाउंडेशन के अध्यक्ष फैसल ने दोनों सरकारों से आग्रह किया है कि मछुआरों के प्रति दयालु दृष्टिकोण अपनाया जाए। क्योंकि उन्होंने अनजाने में समुद्री सीमा को पार किया था। एधी ने लंबे समय तक जेल में रहने के दौरान मछुआरों के परिवारों की पीड़ा को भी उजागर किया। उन्होंने मछुआरों की सजा पूरी होने के बाद तुरंत रिहा करने और शीघ्र वापस भेजने की अपील की।

वाघा बॉर्डर से मछुआरों को भेजते हैं पाकिस्तानी अधिकारी बता दें कि पाकिस्तानी अधिकारी वाघा बॉर्डर के माध्यम से भारतीय मछुआरों को वापस भेजते हैं। जहां भारतीय अधिकारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनकी घर वापसी की सुविधा प्रदान करते हैं। दोनों देश नियमित रूप से मछुआरों को गिरफ्तार करते हैं, जो अक्सर अनजाने में सीमांकित समुद्री सीमाओं को पार कर जाते हैं।

पाकिस्तान में 266 भारतीय कैदी, भारत में 462 एक जनवरी को दोनों देशों ने कैदियों की सूची का आदान-प्रदान किया था, जिसके अनुसार- पाकिस्तान में 266 भारतीय कैदी हैं, जिनमें 49 नागरिक कैदी और 217 मछुआरे थे। वहीं, भारतीय जेलों में कुछ 462 पाकिस्तानी कैदी बंद हैं, जिनमें 381 नागरिक कैदी और 81 मछुआरे हैं।

चीन में अजीबो-गरीब मामला, एक्सीडेंट की वजह से दो अजनबियों में हुआ प्यार

नई दिल्ली । दुनिया में कई बार चीजें इतनी अलग तरीके से घटती हैं कि लोगों को किस्मत जैसी बातों पर यकीन होना शुरू हो जाता है। ऐसी घटनाओं की जानकारी जब सोशल मीडिया पर आती है तो लोगों के बीच में यह काफी वायरल भी हो जाती हैं। ऐसी ही एक घटना चीन में घटी यहां पर एक लड़का और लड़की की गाड़ियों का आपस में भीषण एक्सीडेंट होता है और फिर समय के साथ उन दोनों में प्यार भी हो जाता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक इस पूरे वाकये की शुरुआत तब हुई जब 36 साल का ली अपनी गाड़ी को तेज रफ्तार के साथ दौड़ा रहा था। ली को एक जगह जल्दी पहुंचना था इसलिए उसने गाड़ी की रफ्तार को लगातार बढ़ाए ही रखा। ऐसे में एक जगह पर इलेक्ट्रिक बाइक पर सामने से आ रही एक महिला ली की तेज रफ्तार कार से टकरा जाती है। यह घटना इतनी तेज थी कि महिला की कॉलर बोन टूट जाती है। ली दौड़कर महिला के पास आता है और माफी मांगता है। वह महिला की इलाज की जिम्मेदारी भी उठाता है। अस्पताल में भर्ती महिला ली के प्यारे स्वाभाव को देखकर उसके प्रति आकर्षित हो जाती है। जब तक वह वहां पर भर्ती रहती है तब तक ली रोजाना उसे देखने के लिए आता है। उस दौरान उन दोनों ने आपस में खूब बातें की और अपने जीवन के बारे में जानकारी साझा की। इससे प्रभावित होकर महिला के माता-पिता ने ली को दोषी नहीं माना और उसे मुआवजा देने के लिए भी बाध्य नहीं किया। इस दुर्घटना के तीन हफ्ते के बाद महिला ने ली को प्रपोज कर दिया। लेकिन दोनों की उम्र के बीच में 9 साल के अंतर को देखते हुए ली ने इस रिश्ते को अस्वीकार कर दिया। हालांकि महिला ली के प्रेम में पड़ चुकी थी और ली के मन में भी उसे लेकर भावनाएं उमड़ रही थी। ऐसे में दोनों ने साथ में फिल्म देखने का सोचा। वहां पर ली ने भी अपनी फीलिंग्स को शेयर कर दिया।

मुख्यमंत्री के अंदर सुपरनैचुरल पावर आ गई है, नीतीश कुमार को लेकर ऐसा क्यों बोले भाजपा प्रमुख

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का समापन शुक्रवार को पटना में हो गया. अपनी इस 2 महीने की यात्रा के दौरान नीतीश कुमार ने जिस तरीके से बिहार के सभी जिलों का दौरा किया है और वहां पर विकास के कार्यों को आगे बढ़ाया है उसको लेकर बिहार बीजेपी अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल अप्रत्याशित रूप से आश्चर्यचकित है.

चुनावी वर्ष में नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान जिस तरीके से ताबड़तोड़ विकास को लेकर नई योजनाओं की घोषणा की है उसको लेकर डॉ दिलीप जायसवाल मुख्यमंत्री के मुरीद हो गए हैं.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का बयान।

इतना ही नहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को तो लगता है कि मुख्यमंत्री के अंदर कोई दैविक शक्ति या फिर कहे तो सुपरनैचुरल पावर आ गई है जिसका गुणगान उन्होंने शुक्रवार को एनडीए की प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया.डॉ. दिलीप जायसवाल ने एनडीए की प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीतीश कुमार की प्रशंसा में सभी सीमाओं को तोड़ दिया और कहा कि जिस तरीके से नीतीश कुमार ने अपनी यात्रा के दौरान बिहार में 40 मेडिकल कॉलेज, यानी कि प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जाने की घोषणा, वह दिखाता है कि नीतीश कुमार के अंदर दैविक शक्ति आ गई है.डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा, यह कभी आप सोच सकते थे कि बिहार में 40 मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे. यह कोई मामूली बात नहीं है, ऐसा लगता है नीतीश कुमार में दैविक शक्ति आ गई है. कुछ तो है. ऐसा एक उनके अंदर दैविक शक्ति आ चुकी है. बिहार को विकसित बिहार बनाने के लिए मजबूत इच्छा शक्ति दिखाई है. मैं नीतीश कुमार को देखकर आश्चर्यचकित हूं. पूरे देश में मैं बिहार में जो प्रगति की स्पीड है वैसी नहीं देखी है. दैविक शक्ति नीतीश कुमार के साथ है. जो अच्छा काम करता है दैविक शक्ति उसके साथ होता है.

आ रहा है मशीनों का युग! इंसानों जैसे रोबोट ने सभी को चौंकाया, वीडियो देख उड़ जाएंगे अपके होश

नई दिल्ली । पोलैंड और अमेरिका की स्टार्टअप कंपनी क्लोन रोबोटिक्सने अपने ताजा आविष्कारसे सभी को चौंका दिया है। कंपनी ने ऐसा रोबोट बनाया है जो इंसानों की तरह बेहद स्वाभाविक रूप से चल सकता है। इस रोबोट का नाम प्रोटोक्लोन रखा गया है, और इसकी खासियत यह है कि इसमें इंसानों जैसी नकली मांसपेशियां, हड्डियां और जोड़े हैं, जो उसकी पारदर्शी त्वचा में साफ झलकते हैं। अब तक अधिकतर रोबोट्स की चाल अजीब और अस्वाभाविक रही है, लेकिन प्रोटोक्लोन के मूवमेंट्स काफी सहज और वास्तविक नजर आते हैं। हाल ही में जारी एक वीडियो में इसे छत से लटकाकर हाथ और पैरों को हिलाते हुए दिखाया गया। यह वीडियो किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के दृश्य जैसा लगता है। यह रोबोट दिखने में थोड़ा डरावना भी प्रतीत होता है, लेकिन इसकी कार्यक्षमता ने दुनियाभर के दर्शकों को चौंका दिया है। कंपनी का दावा है कि प्रोटोक्लोन दुनिया का पहला ऐसा रोबोट है, जो दो पैरों पर चल सकता है और इंसानी शरीर की तरह काम करता है। इसमें 200 से अधिक डिग्री की मूवमेंट क्षमता, 1,000 से अधिक कृत्रिम मांसपेशियां (मायोफाइबर्स) और 500 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं, जिससे इसकी हरकतें बेहद स्वाभाविक लगती हैं। क्लोन रोबोटिक्स कंपनी ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो शेयर करते हुए लिखा, प्रोटोक्लोन, दुनिया का पहला बायपेडल, मस्क्युलोस्केलेटल एंड्रॉयड।

दुनिया में मस्क के बाद सबसे ज्यादा घटी गौतम अदाणी की संपत्ति, किसे कितना हुआ नुकसान

नई दिल्ली । दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल के कारण इस साल अब तक शीर्ष अमीरों की संपत्तियों में भारी गिरावट आई है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति में टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क के बाद दूसरी सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, दुनिया के 23वें सबसे अमीर कारोबारी गौतम अदाणी की संपत्ति 11.9 अरब डॉलर घटकर 66.8 अरब डॉलर रह गई है। इस दौरान मस्क की संपत्ति में 35.2 अरब डॉलर की कमी आई है और अब उनकी संपत्ति 397.3 अरब डॉलर है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से मस्क की संपत्ति में काफी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली थी और यह 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी।ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी इस साल बड़ी गिरावट आई है।?उनकी संपत्ति 2.9 अरब डॉलर घटकर 87.7 अरब डॉलर रह गई।?एचसीएलटेक के संस्थापक शिव नाडर की संपत्ति में 4.53 अरब डॉलर की कमी ?आई है। अब उनकी संपत्ति 38.6 अरब डॉलर रह गई है।

अदाणी समूह के शेयर 17.5त्न तक टूटे अमेरिका में रिश्वत देने की खबर के बाद से अदाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई है। अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर इस साल अब तक 14.7 फीसदी टूट चुका है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन में 8.85 फीसदी गिरावट देखने को मिली है। अदाणी पावर और अदाणी ग्रीन एनर्जी सहित समूह की अन्य कंपनियों के शेयरों में भी 17.3 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है।

सावित्री जिंदल को 3.9 अरब डॉलर की चपत शेयर बाजारों में उथल-पुथल का असर अदाणी व अंबानी के अलावा जेएसडब्ल्यू ग्रुप की सावित्री जिंदल की संपत्ति पर भी देखने को मिला है।?उनकी संपत्ति इस साल अब तक 3.9 अरब डॉलर घटकर 28.4 अरब डॉलर पर आ गई है। शापूर मिस्त्री की संपत्ति 2.73 अरब डॉलर कम होकर 35.9 अरब डॉलर रही है। दिलीप सांघवी की संपत्ति में 3.81 अरब डॉलर की गिरावट आई है और यह 25.7 अरब डॉलर रह गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569